वर्ष : 18 अंक: 76 ग्वालियर ● रविवार 20 अप्रैल 2025 ● पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित

चम्बल सुरभी

उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

आज का तापमान

अधिकतम 41 डिग्री

न्यूनतम 24 डिग्री

शाह बोले- 2 घंटे एक्सरसाइज, 6 घंटे की नींद जरूरी: पिछले 5 सालों में रूटीन बदला

आज सभी दवाओं से मुक्त होकर खड़ा हूं

नई दिल्ली,एजेंसी। अमित शाह ने नई दिल्ली में वर्ल्ड लिवर डे पर इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलरी साइंसेस की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि, देश के युवाओं को अगर स्वस्थ्य और फिट रहना है तो उन्हें अपने रूटीन में बदलाव करना होगा। यह बात मैं अपने पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। अमित शाह ने नई दिल्ली में वर्ल्ड लिवर डे पर इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बाइलरी साइंसेस की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। शाह ने कहा कि देश के युवाओं को अभी 40-50 साल और जीना है और देश की प्रगति में योगदान देना है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने शरीर के लिए दो घंटे व्यायाम और अपने दिमाग के लिए छह घंटे की नींद रिजर्व करें। लिवर डे पर आयोजित इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह के अलावा दिल्ली की मुख्यमंत्री

रेखा गुप्ता, उपराज्यपाल वीके सक्सेना भी मौजूद रहे। लिवर डे पर आयोजित इस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह के अलावा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उपराज्यपाल वीके सक्सेना भी मौजूद रहे।

शाह बोले: आज किसी भी तरह की दवा की जरूरत नहीं

अमित शाह ने कहा, "मई 2020 से लेकर आज तक मैंने अपने जीवन में बहुत बड़ा बदलाव किया। आवश्यक मात्रा में नींद, पानी और आहार और नियमित व्यायाम ने मुझे बहुत कुछ दिया है। आज मैं आपके सामने किसी भी तरह की एलोपैथिक दवा और इंसुलिन से मुक्त होकर खड़ा हूं। यह मेरा अपना अनुभव है। मैं आज यहां इस अनुभव को साझा करने आया हूं।

दिल्ली सीएम बोली: हमारा स्वास्थ्य ढांचा मजबूत बने

कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल रहीं। उन्होंने कहा- आज लीवर डे के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए देश में किसी को भी हेल्थ सर्विस के लिए संघर्ष न करना पड़े। हमारी राजधानी दिल्ली सिर्फ यहीं के लोगों के इलाज के लिए नहीं है। पूरे देश और दुनिया से लोग यहां आते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपने स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करें।

ये लोग जिन्ना का महिमा मंडन करते हैं, सीएम योगी ने राणा सांगा को लेकर सपा पर बोला करारा हमला

गोरखपुर,एजेंसी। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीमराव आंबेडकर ने अभाव अपमान में अपना रास्ता बनाकर सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए सम्मान दिलाया। विपक्ष के लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ाना चाहते हैं। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 में अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ी जाति और महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहेब के कारण ही हो पाया। सीएम डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता का संदेश देने वाला भारत का संविधान बाबा साहेब ने दिया। यह प्रत्येक नागरिक को सम्मान देता है। सीएम ने कहा आखिर वो कौन से कारण थे जिनके कारण बाबा साहेब पीड़ित थे। बाबा साहेब ने संविधान तैयार किया,लेकिन कांग्रेस ने उसमें संशोधन किए। इससे बाबा साहेब परेशान हुए। कांग्रेस उनको संविधान सभा में नहीं भेजना चाहती थी। लेकिन उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें शामिल किया गया और

ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष बने। लेकिन बाबा साहेब ने ऐसा संविधान दिया जो भारत को दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है।

कांग्रेस ने 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था

समाजवादी पार्टी ने अपने गठन के बाद षडयंत्र किए जिसके कारण समाज में अराजकता पैदा हो। कांग्रेस ने तो 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहेब को हरवाया था। उनके 78 हजार वोट को रद्द करवा दिया। 1954 के उपचुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहेब के निजी सचिव को तोड़कर चुनाव लड़वा दिया। इसमें भी वह हार गए। आज कांग्रेस के नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी को संविधान की प्रति लेकर घूमता देखता हु तो लगता है यही कांग्रेस थी जो उनका विरोध करती थी। अपने 65 वर्षों में बाबा साहेब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया। कांग्रेस ने ज्यादातर समय यूपी और देश में शासन किया लेकिन एक भी स्मारक नहीं बनाया। इंग्लैंड के जिस भवन में रहकर बाबा साहेब ने डिग्री ली थी उसे वहां की सरकार बेच रही थी। मोदी सरकार ने उसे लेकर स्मारक बनाया। बाबा साहेब के पांच तीर्थ बनने में सपा, कांग्रेस या आरजेडी किसी का योगदान नहीं है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के नाम से मनाया जाता है।

बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है: योगी

बाबा साहेब के नाम पर भाषण देने वाले अनेक आएंगे लेकिन उनके आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है। उन्होंने कहा था अपने अनुयायियों से की शिक्षित बनो, अन्याय के खिलाफ संगठित रहो। हैदराबाद में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा था लेकिन बाबा साहेब ने पत्र लिख कहा था कि निजाम के सामने झुकना नहीं, किसी भी हाल में इस्लाम को न स्वीकारना।

संक्षिप्त समाचार

एमडीएमके नेता दुरई वाइको ने छोड़ा प्रधान सचिव का पद

चेन्नई,एजेंसी। दुरई वाइको ने कहा कि उन्होंने यह फैसला ये सुनिश्चित करने के लिए लिया है कि पार्टी या इसके संस्थापक वाइको को उनके कारण कोई नुकसान न हो। दुरई वाइको के अनुसार, वे एमडीएमके के लिए इसके प्राथमिक कार्यकर्ता के रूप में काम करना जारी रखेंगे और तिरुचिरापल्ली के लोगों के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। तमिलनाडु की क्षेत्रीय पार्टी एमडीएमके में सबकुछ सही नहीं है और ऐसे संकेत मिले हैं कि पार्टी आंतरिक कलह से जूझ रही है। दरअसल पार्टी के संस्थापक वाइको के बेटे दुरई वाइको ने पार्टी के प्रधान सचिव का पद छोड़ दिया है। दुरई वाइको तमिलनाडु की तिरुचिरापल्ली लोकसभा सीट से सांसद हैं। दुरई वाइको ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अपने इस्तीफे का एलान किया।

मॉब लिंचिंग पीड़ितों के लिए एक समान मुआवजा जरूरी, सुप्रीम कोर्ट 23 अप्रैल को करेगा अहम सुनवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट 23 अप्रैल को एक अहम याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें भीड़ हिंसा (मॉब लिंचिंग) और घृणा अपराधों के पीड़ितों को मुआवज़ा देने में समानता (एकरूपता) लाने की मांग की गई है। यह याचिका इंडियन मुस्लिम्स फॉर प्रोग्रेस एंड रिफॉर्म्स (IMPAR) नामक संगठन ने दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2023 में इस पर केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा था। याचिका में कहा गया है कि 2018 के तहसीन पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग के मामलों पर कड़ी टिप्पणी करते हुए पीड़ितों के परिवारों को मुआवज़ा देने की बात कही थी। लेकिन अब तक कुछ राज्यों ने अलग-अलग योजनाएं बनाई हैं, जिनमें कोई समानता नहीं है, और कई राज्यों ने तो ऐसी कोई योजना अब तक बनाई ही नहीं है।

दिल्ली में 4 मंजिला इमारत गिरी-4 की मौत, 10 से ज्यादा लोग अब भी मलबे में फंस

नई दिल्ली,एजेंसी। मलबे में अभी भी 10 से ज्यादा लोगों के फंसे होने की आशंका है। मौके पर NDRF और दिल्ली पुलिस की टीमें पहुंची हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अभी भी 10 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में 22 से ज्यादा लोग मलबे में दब गए थे। अब तक 14 लोगों को रेस्क्यू कर जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया। मौके पर NDRF और दिल्ली पुलिस की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं।

मुर्शिदाबाद के धुलियान में हिंसा पीड़ितों से मिलीं महिला आयोग की सदस्य, फूट-फूटकर रोईं पीड़िताएं

मुर्शिदाबाद,एजेंसी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर के नेतृत्व में एक टीम ने शनिवार को मुर्शिदाबाद के धुलियान में हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की और उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार द्वारा उचित कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान पीड़ित महिलाओं ने महिला आयोग की टीम को धुलियान के बेटबोना कस्बे के पीड़ितों ने अपनी आपबीती सुनाई और मांग की कि जिले में स्थायी बीएसएफ कैंप स्थापित किए जाएं और सांप्रदायिक झड़प की एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) जांच की जाए।

पीड़ितों को झेलना पड़ा, वह कल्पना से परे

महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पीड़ितों से मुलाकात के बाद कहा कि इन महिलाओं को जो पीड़ा झेलनी पड़ रही है, उसे देखकर मैं स्तब्ध हूं। हिंसा के दौरान उन्हें जो कुछ सहना पड़ा, वह कल्पना से परे है। रहाटकर ने पीड़ितों से कहा कि अब उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है और केंद्र सरकार उनके साथ है। महिला आयोग की टीम को आपबीती सुनाते हुए पीड़ित महिलाओं अपने आंसू नहीं रोक पाईं और आयोग की सदस्यों से गले मिलकर रोतीं नजर आईं।

मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल पुलिस को बताया 'मूकदर्शक'

बोले : 'दंगाग्रस्त इलाकों का तमाशा देख चुपचाप लौट रही'

कोलकाता ,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नेता और दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल पुलिस को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्हें 'तमाशबीन' बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य में हालात बेहद चिंताजनक हैं और पुलिस महज कुर्सी लगाकर तमाशा देख वापस लौट रही।

मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाया। उन्होंने कहा, पुलिस सिर्फ फंक्शन देखने आती है। जहां दंगे हो रहे होते हैं, वहां कुर्सी लगाकर तमाशा देखती है और फिर चुपचाप वापस चली जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस की भूमिका अब कानून व्यवस्था संभालने की नहीं रह गई, बल्कि मूकदर्शक बनने की हो गई है। मिथुन ने वक्फ को लेकर प्रदेश सरकार के रवैये को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा , उन्होंने वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर कहा कि हिंदुओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है। मुस्लिम समाज

के नाम पर जिन जमीनों को वक्फ संपत्ति बताया जा रहा है, उन्हें नेताओं ने कब्जा कर लिया है। कहीं गोदाम बना दिए, कहीं किराए पर चढ़ा दिए, और उस पैसे से अपनी ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहे हैं। अगर इन संपत्तियों का कुछ हिस्सा मुस्लिम भाइयों या उनकी बहनों को मिल जाता, तो कोई समस्या नहीं थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा। नतीजा यह है कि आम हिंदू परिवार बेघर हो रहे हैं, और ट्रांजिट कैंपों में खिचड़ी खा रहे हैं। दावा किया, अगर मुख्यमंत्री चाहें तो एक दिन में हिंसा पर काबू पाया जा सकता है। लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा क्योंकि जिन लोगों की मदद से सरकार बनी है, उन्हीं को संतुष्ट रखने की कोशिश हो रही है। बंगाल में अब सनातनी, सिख और ईसाई समुदाय के लोग तृणमूल को वोट नहीं देते, इसलिए जो उनका 'वोट बैंक' है, उन्हें खुश रखना सरकार की प्राथमिकता बन गई है इसलिए अपराधियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो रही। बंगाल में अब हिंदू शरणार्थी बन गए हैं। राज्य में दादागिरी का बोलबाला है और हर जगह एक अघोषित डर का माहौल है। हम कोई दंगा-फसाद नहीं चाहते। हमने पहले ही कहा था कि फेयर इलेक्शन कराइए, लेकिन वो भी नहीं होने दिया गया। जब मिथुन से पूछा गया कि क्या बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए, तो उन्होंने बेझिझक कहा कि अगर ऐसी स्थिति चलती रही, तो राष्ट्रपति शासन लगाना ही पड़ेगा।

भाषा के प्रति नफरत अनुचित, गुड गवर्नेंस वही जो संविधान के अनुसार चले : मायावती

लखनऊ ,एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आजकल चल रहे भाषा विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाषा के प्रति नफरत अनुचित है। बसपा मुखिया मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि पश्चिम के महाराष्ट्र, गुजरात तथा दक्षिण भारत के कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल में बीएसपी संगठन के गठन की तैयारी व मजबूती एवं पार्टी के जनाधार को बढ़ाने आदि पर दिल्ली में हुई बैठक में गहन समीक्षा और आगे पूरे तन, मन, धन से पार्टी के कार्यों को दिशा-निर्देशानुसार बढ़ाने का संकल्प लिया गया। उन्होंने

आगे लिखा कि जनगणना व उसके आधार पर लोकसभा सीटों का पुनः आवंटन, नई शिक्षा नीति व भाषा थोपने आदि के चलते इन राज्यों व केंद्र के बीच राजनीतिक स्वार्थ के लिए विवाद से जन व देशहित का प्रभावित होना स्वाभाविक है। गुड गवर्नेंस वही है जो पूरे देश को संविधान के हिसाब से साथ लेकर चले।

19 साल बाद फिर एकसाथ आ सकते हैं उद्धव और राज ठाकरे, बोले झगड़े से जरूरी महाराष्ट्र

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। खबर ये है कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हितों के लिए अपने बीच मतभेदों को भुलाकर एकजुट होने की इच्छा जताई है। राज ठाकरे ने अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे को साथ आने का प्रस्ताव दिया है।

मनसे प्रमुख ने कहा है कि महाराष्ट्र और मराठियों के अस्तित्व के आगे उद्धव और उनके झगड़े बहुत छोटे हैं। महाराष्ट्र बहुत बड़ा है। उनके लिए उद्धव के साथ आना और साथ में रहना कोई मुश्किल काम नहीं हैं। राज ठाकरे ने ये बात फिल्म निर्देशक महेश मांजरेकर के साथ किए पॉडकास्ट के दौरान कही। राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे को साथ आने का प्रस्ताव देते हुए अपनी तरफ से ये साफ कर दिया कि उद्धव के साथ आने में उनको

कोई परेशानी नहीं है। महाराष्ट्र के लिए दोनों एक साथ आ सकते हैं।

राज ठाकरे के साथ आने के प्रस्ताव पर उद्धव ठाकरे का भी बयान सामने आया है। उद्धव का कहना है कि उनकी तरफ से कोई झगड़ा नहीं था। महाराष्ट्र के हित के लिए वे साथ आने को तैयार हैं। उद्धव ठाकरे भी भाई राज ठाकरे के प्रस्ताव से सहमत दिखाई दे हैं। उन्होंने मिलकर काम करने के संकेत दिए हैं। उद्धव ने कहा कि महाराष्ट्र की भलाई के लिए वह छोटे-मोटे झगड़ों को छोड़कर आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

नई शिक्षा नीति को लेकर बोलीं सुप्रिया सुले

मराठी भाषा को नुकसान हुआ तो बर्दाश्त नहीं करेंगे

मुंबई,एजेंसी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को लेकर महाराष्ट्र की सियासत गर्माहट अपने चरम पर है। इसी बीच एनसीपी (शरद पवार गुट) की नेता और सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को जल्दबाजी में लागू करना ठीक नहीं है और अगर इससे मराठी भाषा को नुकसान होता है, तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने राज्य सरकार के उस फैसले पर नाराज़गी जताई, जिसमें कक्षा

1 से 5 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी ही लोगों की मातृभाषा है और उसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करने के लिए करें प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से जिलों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनकल्याण कार्यक्रमों और निर्माण कार्यों के लोकार्पण के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से की चर्चा

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में 27 अप्रैल को आईटी कॉन्क्लेव में शामिल होंगे। इस अवसर पर म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा 55 जिलों की जल संरचनाओं पर

केंद्रित डिजिटल डाटाबेस प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में प्रदेश में निकट भविष्य में होने वाले जनकल्याण कार्यक्रमों और निर्माण कार्यों के लोकार्पण के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल संरचनाओं में जल भराव की स्थिति के अनुसार दो भिन्न ऋतुओं (प्री एवं पोस्ट मानसून) की सैटेलाइट के माध्यम से डिजिटल मैपिंग करना संभव हुआ है। नदियों और प्राचीन जल संरचनाओं का वर्गीकरण भी आसान हुआ है। इससे जल संरचनाओं के नाम, उनकी जियो टैगिंग से कर लोकेशन सुनिश्चित करने का कार्य भी हो रहा है। निश्चित ही यह सराहनीय प्रयास है।

इंदौर में 27 अप्रैल को कॉन्क्लेव के साथ राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के स्वप्न को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश में अनेक कार्य हो रहे हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्साहजनक वातावरण निर्मित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए उन्हें विभिन्न स्पर्धाओं से जोड़ा जाए। उज्जैन स्थित साइंस सिटी, वैधशाला और प्लेनेटोरियम का भ्रमण करवाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाए। बैठक में बताया गया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने प्रदेश के सात सौ से अधिक विद्यार्थियों को नई दिल्ली और चंडीगढ़ के प्रमुख संस्थानों के भ्रमण के लिए वंदे भारत ट्रेन से भेजने की व्यवस्था की है।

36 गर्भवती महिलाओं की जांच, 04 सोनोग्राफी के लिए रेफर

मकडावदा में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के सात वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर शहरी एवं ग्रामीण के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाकर स्वास्थ्य सेवायें प्रदाय की जा रही है, इसी क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मकडावदा में आयुष्मान आरोग्य शिविर में डॉ. नीतू सिकरवार स्त्रीरोग विशेषज्ञ मेडीकल कॉलेज श्योपुर द्वारा 36 गर्भवती महिलाओं की जांच कर उपचार किया गया जिसमें जांच दौरान 12 गर्भवती महिलाएं हाईरिस्क श्रेणी के रूप में चिन्हित गई है, जिनमें 04 को सोनोग्राफी कराने के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया । साथ ही परामर्श दिया गया कि खून की कमी और गर्भ में पल रहे बच्चे के विकास के लिए आयरन की लाल गोली एवं कैल्शियम की सफेद गोली गर्भावस्था में प्रसव होने तक और प्रसव के बाद 6 माह तक प्रतिदिन एक-एक गोली खाना है। सीएचओ सुश्री प्रियंका व्यास द्वारा 25 हितग्राहीयों की स्वास्थ्य आभा आईडी बनाई गई व एनसीडी जांच के अंतर्गत 35 लोगों की शुगर, बीपी आदि की जांच कर दवाईयॉ दी गई अन्य बीमारी के 11 हितग्राही की जांच व दवाईयॉ देकर उपचार किया गया। शिविर में एम्बुलेंस द्वारा हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को उनके निवास स्थानो से लाया गया तथा जांच की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

पेयजल व्यवस्थाओं के संबंध में दिये निर्देश

श्योपुर ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। इस बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर, निगमायुक्त, जल संसाधन, नगरीय विकास, ग्रामीण विकास और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक का उद्देश्य प्रदेशभर में जल संरक्षण, पेयजल समस्याओं के निदान एवं तैयारियाँ और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने हेतु समन्वित प्रयासों की समीक्षा करना था। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य में पेयजल व्यवस्थाओं को लेकर पूरी सतर्कता बरती जाए। गर्मी के मौसम में जल स्रोतों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए वैकल्पिक स्त्रोतों को चिन्हित कर रखा जाये तथा पेयजल की नियमित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्थिति में नागरिकों को पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

पशु एवं वन्यजीवों के लिए पेयजल की व्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन विभाग को निर्देश दिए कि जंगलों में जल स्त्रोतों को चिन्हित कर वहां पर जल टैंकर या अन्य माध्यमों से वन्यजीवों के लिए पेयजल उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पशुओं के लिए कुएँ, टांके और जल हौज आदि को साफ-सफाई और जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

शहरों और गांवों में निःशुल्क प्याऊ की व्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नगरीय प्रशासन और पंचायत विभाग को निर्देशित किया कि प्रत्येक नगर व ग्राम में प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में निःशुल्क प्याऊ लगवाए जाएँ, जहाँ शुद्ध व ठंडा पानी उपलब्ध हो।

पराली जलाने पर सख्त निगरानी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पराली जलाने की घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से न केवल पर्यावरण को नुकसान होता है, बल्कि स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने जिलों को निर्देश दिए कि कृषकों को पराली के वैकल्पिक उपयोग की जानकारी दी जाए और जागरूकता अभियान चलाए जाएँ। साथ ही, यदि कोई पराली जलाता है तो उस पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

जल संरक्षण में जनभागीदारी पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं है, यह जन आंदोलन बनना चाहिए। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे जल बचाने और प्राकृतिक जल स्रोतों की रक्षा करने में सक्रिय भागीदारी निभाएँ।

बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों ने अब तक किए गए कार्यों की प्रस्तुति दी और आगामी रणनीतियों पर भी चर्चा हुई. वीसी के दौरान एनआईसी कक्ष श्योपुर में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्री अतेंद्र सिंह गुर्जर, एसडीएम श्री बीएस श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

09 माह से 05 साल तक के बच्चों को पिलाई जायेगी मल्टीविटामिन सीरप

6 हजार सीरप ब्लॉक स्तर पर भेजे गये

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुये 09 माह से 05 वर्ष के बच्चों को अतिरिक्त रूप से मल्टीविटामिन दिये जाने के निर्देशों के क्रम में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने सभी ब्लॉक पर 6 हजार सीरप उपलब्ध करा दिये गये हैं। यह सीरप एनआरसी, आयुष्मान, आरोगय मंदिर के माध्यम से आवश्यकतानुसार बच्चों को पिलाने के लिये दिये जायेंगे। सीएमएचओ डॉ. दिलीप सिंह सिकरवार ने बताया कि श्योपुर में बच्चों के विकास एवं विटामिन्स की पूर्ति हेतु मल्टीविटामिन सीरप पिलाये जाने के क्रम में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा निर्देश दिये गये थे जिसके पालन में जिला स्टोर से 6 हजार सीरप ब्लॉक स्तर पर भेज दिये गये हैं। बडौदा-श्योपुर को 3000, तथा विजयपुर एवं कराहल ब्लॉक को 1500-1500 सीरप प्रदाय किये गये है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर, एनआरसी केन्द्र से कार्यकर्ताओं के माध्यम से 9 माह से 5 साल तक के बच्चों को पिलाने के लिए अतिरिक्त मल्टीविटामिन सीरप प्रदान की जायेगी। इसके साथ ही आंगनबाडियों में दर्ज ऐसे बच्चे जो स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर हैं उन्हें भी यह सीरप प्रदाय की जायेगी। डॉ. सिकरवार ने बताया कि मल्टी विटामिन बच्चे के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए लाभदायक है इस मल्टीविटामिन सीरप से 5 एमएल दवा बच्चों को देना है जिसमें विटामिन ए, विटामिन डी-3, विटामिन बी1, विटामिन बी2, विटामिन बी6, विटामिन बी12, निआसिनामाइड जो विटामिन बी3 के रूप पाया जाता है, जो खाद्य पूरक और दवा के रूप में प्रयुक्त होता है।

विटामिन्स बच्चों में आहार पूरक, मस्तिष्क विकास, नेत्र विकार, दस्त, एनीमिया के निदान के लिए उपयोगी एवं प्रतिरोधक क्षमता बढाती है, बच्चों के स्वस्थ्य विकास लिए विटामिन और खनिज पोषण संबंधी तत्व आवश्यक है मल्टीविटामिन्स बच्चे को शारीरिक व मानसिक विकास को तेजी से बढाता है।

सुकन्या समृद्धि योजना कन्या अभिभावको के लिए वरदान

कलेक्टर ने की योजनान्तर्गत खाते खुलवाने की अपील

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी जनहितकारी सुकन्या समृद्धि खाता योजना में सभी आम जनमानस, प्रबुद्ध नागरिकों, स्वयं सेवी संस्थाओं, जन-प्रतिनिधियों, बेटियों के अभिभावकों, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया सहित अधिकारियों से सहभागिता एवं सहयोग करने की अपील करते हुए कहा है कि, बेटी है जहां खुशियां है वहां, सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाएं घर-घर में खुशहाली लाएं की अवधारणा के साथ भारत सरकार द्वारा बेटी बचाओ एवं बेटी पढ़ाओ के तहत बालिकाओं की उच्च शिक्षा तथा विवाह हेतु व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह योजना शुरू की गई है। उन्होने कहा कि कन्या अभिभावको के लिए यह योजना वरदान है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने इस योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा है कि इस योजना के अन्तर्गत जन्म से लेकर 10 वर्ष की आयु तक की बेटियों का खाता खुलवाया जा सकता है, जमाकर्ता बेटी के नाम से एक ही खाता खोल सकता है। माता-पिता या संरक्षक दो बेटियों के अलग-अलग एक खाता खोल सकते हैं, यदि जुड़वा बेटियां है तो जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर तीसरा खाता भी खोला जा सकता है, यह खाता एक वित्तीय वर्ष में 250 रूपये से शुरू किया जा सकता है। बच्ची की उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने पर सुकन्या समृद्वि खाता में जमा राशि का 50 प्रतिशत राशि निकाली जा सकता है। बेटी की उम्र 21 वर्ष पूर्ण होने पर खाता परिपक्व होगा, बालिका का विवाह 18 वर्ष के बाद या 21 वर्ष के पहले होता है तो खाता बंद कर दिया जाएगा और ब्याज सहित समस्त रकम दे दी जाएगी। इस पर 8.2 प्रतिशत की दर से ब्याज राशि प्रदान की जाती है, यदि कोई व्यक्ति मात्र एक हजार रूपये मासिक जमा करता है तो 15 साल में 1 लाख 80 हजार रूपये की राशि जमा होगी, जिस पर 21 वर्ष के उपरांत परिपक्वता के समय 5 लाख 64 हजार 613 रूपये की राशि प्राप्त होती है। इसी प्रकार इस महत्वाकांक्षी योजना से आयकर में छूट का लाभ भी मिलता है और देश के किसी भी हिस्से में स्थानातांरित किया जा सकता है। खाता खोलने के लिए जरूरी दस्तावेज, जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता का फोटो पहचान पत्र, एड्रेस प्रूफ और माता-पिता की फोटो आवश्यक है। खाते मे न्यूनतम 250 रूपये अधिकतम 01 लाख 50 हजार रूपये वार्षिक जमा किया जा सकता है। इस खाते की अवधि कुल 21 वर्ष है। कलेक्टर ने कहा है कि, अधिक जानकारी के लिए श्योपुर के डाक घर के कार्यालय पर्यवेक्षक, निरीक्षक डाक घर श्योपुर एवं विकास अधिकारी पोस्ट मास्टर श्योपुर तथा जिले के डाकघर के पोस्टर मास्टर से इस संबंध में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने सभी से इस महत्वाकांक्षी योजना में सहयोग एवं सहभागिता करने की अपील की है जिससे हर बेटी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें और आत्मनिर्भर हो सकें।

जेंडर चौंपियंस का सम्मान कार्यक्रम आयोजित

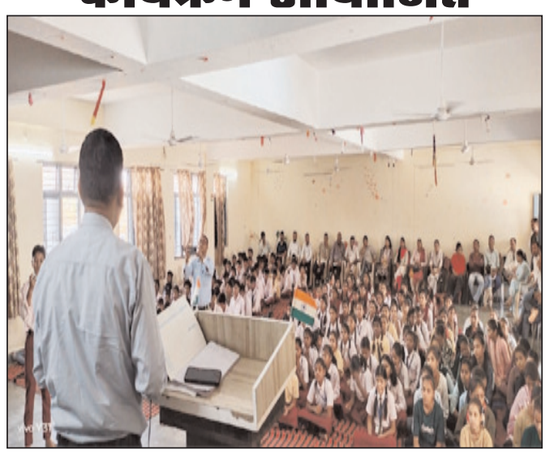

श्योपुर ब्यूरो। एकलव्य मॉडल रहवासी विद्यालय कराहल में जेंडर चौंपियंस का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में किशोर बालक और बालिकाओं के लिए जेंडर, कैरियर और पढ़ने के अवसर पर सहजीकरण सत्र का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर महिला बाल विकास अधिकारी श्री ओपी पाण्डेय ने कहा कि पढ़ाई ही एक ऐसा माध्यम है जो उन्हें जीवन में आगे और सफल बना सकती है। जिला बाल कल्याण समिति सदस्य श्री गणेश पाराशर ने बताया कि स्कूल की पहली शिक्षा अनुशासन है और सभी छात्र और छात्राओं को जेंडर के संबंध में जागरूक किया। उन्होंने जेंडर भेदभाव और बाल विवाह के संबंध में चर्चा की और मंच पर कार्यक्रम में सहभागिता निभाने के तरीके बताए। जिला समन्वयक श्री लक्ष्मन प्रसाद गोड ने बच्चों को कैरियर चुनाव पर मार्गदर्शन किया और उन्हें व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु सुझाव दिया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन भी किया गया। आभार प्रधानाध्यापक श्री अशोक जायसवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम को आयोजित करने में नोडल शिक्षक श्री रोहित राजपूत और सुश्री टीना सिंह ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में एकलव्य कराहल, हॉयर सेकेंडरी स्कूल बरगवां, हाइ स्कूल सिलपुरी, बालिका हाइ स्कूल कराहल, उत्कृष्ट हॉयर सेकेंडरी स्कूल के 240 बच्चों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में जेंडर चौंपियंस बालक और बालिकाओं को प्रमाणपत्र और बैज वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जेंडर संबंधी मुद्दों पर जागरूक करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सशक्त बनाना था। एकलव्य कराहल के छात्र कृष्णा सनेरिया ने कार्यक्रम सूत्रधार की भूमिका निभाई।

खेत तालाब निर्माण सहित पुराने तालाबों के जीर्णोद्धार कार्य जारी

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चल रहे हैं काम

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल संरचनाओं को सहेजने का कार्य निरंतर जारी है। खेत तालाबों के निर्माण के साथ ही पुराने तालाबों के जीर्णोद्धार कार्य कराये जा रहे हैं, जिससे वर्षा जल को अधिक मात्रा में इन तालाबों में रोका जा सके। इसके साथ ही सरकारी भवनों में रूफ वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम भी लगाये जा रहे हैं। ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दीवार लेखन का कार्य भी किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विजयपुर विकासखण्ड के ग्राम पार्वती बडौदा में खेत तालाब का निर्माण शासन के सहयोग से हितग्राही द्वारा किया जा रहा है, जिससे गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में की थीम पर खेत में ही पानी रोकने के लिये खेत तालाब बनाया जा रहा है। इससे खेतों में सिंचाई के लिए जहां पानी की आवश्यकताओं की पूर्ति तो होगी ही बल्कि खेत में नमीं के साथ ही जल स्तर भी बढेगा। परियोजना अधिकारी श्री विक्रम जाट ने बताया कि अभियान के तहत विजयपुर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बिचपुरी में दांगी बाबा के पास स्थित तालाब की मरम्मत का काम भी कराया जा रहा है। इसमें तालाब के गहरीकरण के साथ ही तालाब की पाल को और अधिक मजबूत बनाते हुये रिनोवेशन का कार्य किया जा रहा है, जिससे तालाब में पानी की भराव क्षमता में पहले से अधिक वृद्धि होगी। इसी प्रकार ओछापुरा में भी तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य संचालित है। ग्राम पंचायत श्यामपुर अंतर्गत प्राथमिक शाला भवन श्यामपुर में 70 हजार रूपये की राशि से रूफ वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगाया जा रहा है, ताकि ग्रामीण भी अपने घर का पानी घर में ही रोकने के लिए प्रेरित हों। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण के कार्यो के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के प्रति चेतना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ग्राम पंचायत उमरीकलां में दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण का संदेश प्रदान किया गया है।

ग्राम मठेपुरा में निकली जागरूकता रैली

श्योपुर ब्यूरो। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवांकुर संस्था मुक्तिबोध युवक मंडल द्वारा ग्राम मठेपुरा में जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह ने बताया कि जागरूकता रैली के आयोजन से पूर्व ग्राम में जल चौपाल आयोजित करते हुये लोगों को पानी के महत्व के बारे में बताते हुये जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर मठेपुरा में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण के प्रति जागरूकता रैली निकाली गई और ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया तथा गृहभेंट करते हुये ग्रामीणों को जल के संचयन को लेकर प्रेरित किया गया। इस मौके पर नोडल प्रभारी गिर्राज शर्मा, मेंटर विवेक सिंह परिहार, सुमिंदर कौर, रामराज सुमन, मोनू सेन, राजल शर्मा, तनवी दुबे सहित बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गुना के कुंभराज उप डाकघर में अव्यवस्था पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का त्वरित एक्शन

डाकघर का प्रिंटर हुआ दुरुस्त, अतरिक्त स्कैनर की भी हुई स्थापना

गुना। गुना स्थित कुंभराज उप डाकघर में सामने आई अव्यवस्थाओं की जानकारी मिलते ही केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग व अधिकारियों को तत्काल जाँच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। अखबार की एक खबर के अनुसार, कुंभराज उप डाकघर में पिछले कई दिनों से नगरवासियों को अपने आवश्यक कार्यों के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उनका कहना था कि डाकघर के संसाधनों की कमी के कारण डाकघर की सभी सेवाएं बाधित हो रही हैं। यह मामला जब केंद्रीय मंत्री तक पहुँचा, तो उन्होंने बिना विलंब किए तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर डाकघर की व्यवस्था सुधारने और जवाबदेही तय करने के आदेश दिए। सिंधिया जी के निर्देशों के बाद डाक विभाग में सक्रियता देखी गई और कुंभराज उप डाकघर की सभी कमियाँ जल्द ही दुरुस्त कर दी गईं। तकनीक से जुड़ी सभी सुविधाओं को ठीक कर दिया गया है जैसे प्रिंटर ठीक हो गया है, नया स्कैनर भी लाया गया है। सिंधिया के संज्ञान में आते ही गुना संभाग के डाकघर अधीक्षक ने पूरे मंडल के डाकघरों को निर्देशित किया कि जनता को बेहतर व समयबद्ध सेवाएँ प्रदान की जानी चाहिए।

नगर निगम और सीवर लाइन के कार्यों को गति दें-प्रतिमा बागरी, राज्यमंत्री ने ली समीक्षा बैठक

सतना। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शनिवार को सतना नगर निगम क्षेत्र में जारी विकास परियोजना की प्रगति तथा शहरी व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि नगर निगम विकास परियोजना के कार्यों और सीवर लाइन के कार्यों में गति लाकर गुणवत्ता के साथ विकास कार्यों को पूरा करें। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, स्पीकर राजेश चतुर्वेदी, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सिटी मजिस्ट्रेट राहुल सिलाडिया, सीएसपी महेन्द्र सिंह चौहान, थाना प्रभारी राबेन्द्र द्विवेदी, पीडीएमसी से पंकज श्रीवास्तव, बीएसएनएल केडी जीएम, एमडीओ एवं सीवर कार्य के दोनों संविदाकार मेसर्स इन्वायर प्रोजेक्ट, स्नेहल कन्स्ट्रक्शन भी उपस्थित थे। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने सतना शहर में सीवर नेटवर्क बिछाने की परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विगत बैठक में संविदाकार द्वारा दिये गये आश्वासनों के अनुरूप प्रगति नहीं लाई गई है। संविदाकार स्नेहिल कन्स्ट्रक्शन ने आगामी 15 दिवस में शेष कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया। अन्य संविदाकार एनविराड प्रोजेक्टस के कार्य भी विलम्ब से पाये जाने पर राज्यमंत्री ने आयुक्त नगर निगम को नियमानुसार दोनों संविदाकारों पर एलडी अधिरोपित करने के निर्देश दिये। शहर के विभिन्न क्षेत्रों विशेष रूप से स्टेशन रोड, सुभाष पार्क, सिंधी कैम्प, पंजाबी कॉलोनी तथा ईदगाह चौक से झूलेलाल मंदिर तक जाम की समस्या से निजात के लिए सडक किनारे के एवं सार्वजनिक स्थलों पर किये गये अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये। राज्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम प्रशासन, सिटी मजिस्ट्रेट और नगर पुलिस अधीक्षक संयुक्त समन्वय से विशेष अभियान चलाकार अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्यवाही करें।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला श्योपुर (म.प्र.)

E-mail modgmshe@mp.gov.in

क्र./खनि/3–6/क्यू.एल.105/2025/4422 श्योपुर दिनांक 11..../04/2025

म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1–क) के अन्तर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री शिवम दण्डौतिया पुत्र श्री विनोद दण्डौतिया निवासी रेलवे कॉलोनी वार्ड नंबर 8, श्योपुर जिला श्योपुर (म.प्र.) द्वारा उत्खनिपट्टा अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 07.02.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक G-23792/24 से प्रकाशित की गई थी इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 05 मई 2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनि पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेगें।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
श्योपुर	बड़ौदा	लटावनी	76/1/2/3	कुल रकवा 2.0600 हे. में से आवेदित रकवा 1.250 हे.	शासकीय	बोल्डर,	
			आवेदित क्षेत्र	1.250 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
(खनि शाखा)
जिला श्योपुर (म.प्र.)

G-11744/25

बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन संपन्न

10वी और 12वी की 01 लाख 20 हजार 240 कॉपियां जांची गई

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुयी। 13 मार्च से शुरू हुआ मूल्यांकन कार्य 19 अप्रैल तक संपन्न हुआ। इस दौरान मूल्यांकन केंद्र शासकीय उत्कृष्ट उमावि श्योपुर को माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश से आवंटित सभी विषयों की कुल 1 लाख 20 हजार 240 कॉपियां जांची गई। जिला शिक्षा अधिकारी श्री एमएल गर्ग ने बताया कि मूल्यांकन कार्य के लिए नियुक्त प्रेक्षक पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री परमजीत सिंह की देख-रेख में मूल्यांकन का कार्य बोर्ड द्वारा दी गई समय सीमा 25 अप्रैल से पूर्व ही संपन्न कर लिया गया। हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा अंतर्गत विभिन्न विषयों की कुल 79 हजार 560 तथा हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा अंतर्गत विभिन्न विषयों की कुल 40 हजार 680 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन केंद्र अधिकारी श्री अशोक खण्डेलवाल ने बताया कि हाई स्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने के लिए 215 तथा हायर सेकेण्डरी की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के लिए 144 परीक्षकों को लगाया गया था। मूल्यांकन का कार्य कुल 37 दिवस तक चला।

विजयपुर क्षेत्र में 20 अप्रैल को बिजली बंद रहेगी

विजयपुर। विजयपुर उपकेंद्र से जुड़े 33 केवी फीडर तथा 33/11 केवी उपकेंद्र से निकलने वाले सभी फीडरों पर आवश्यक सुधार कार्य के चलते विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल, शनिवार को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक पूरे विजयपुर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। विभाग ने बताया कि यह बंदी उपकेंद्र संबंधित आवश्यक तकनीकी कार्यों के कारण की जा रही है। साथ ही, परिस्थितियों के अनुसार विद्युत बंदी के समय में परिवर्तन भी किया जा सकता है।विभाग ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है और किसी भी असुविधा के लिए खेद प्रकट किया है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वरिष्ठ पत्रकार श्री उपाध्याय की माताश्री के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की

ग्वालियर। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल शनिवार को हरिशंकरपुरम स्थित वरिष्ठ पत्रकार श्री अनुराग उपाध्याय के निवास पर पहुँचे और उनकी माताजी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि प्रदान की । साथ ही शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना प्रदान की । वरिष्ठ पत्रकार श्री उपाध्याय की माताश्री का बीते दिनों निधन हो गया था।

पार्श्वनाथ जैन मंदिर तोड़े जाने के विरोध में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन आज

ग्वालियर। मुंबई के विलेपार्ले में स्थित 90 साल पुराने पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर को तोड़ दिया गया है। इस घटना के विरोध में 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ता 20 अप्रैल (रविवार) को सुबह 9 से 10 बजे तक इंदरगंज चौराहा पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा एवं महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार के नेतृत्व में धरना दिया जायेगा। धरना प्रदर्शन को सफल बनानें की अपील करने बालों में ब्लॉक अध्यक्षगण विनोद जैन, देवेन्द्र चौहान, महादेव अपोरिया, हितेन्द्र यादव, अनूप शिवहरे, एम.आई.सी मेम्बर एवं पार्षद अवधेश कौरव, एम.आई.सी मेम्बर एवं पार्षद श्रीमती गायत्री सुधीर मण्डेलिया, पार्षद केदार बरहादिया, पार्षद श्रीमती सरोज हेवरन कंषाना, पार्षद श्रीमती लक्ष्मी सुरेश गुर्जर, पार्षद प्रमोद खरे, पार्षद सुरेन्द्र साहू, पार्षद अंकित कठठल ने सभी कांग्रेस जन आदि शामिल हैं ।

बदरवास में 30 क्विंटल अवैध आम की लकड़ी जब्त, एक गिरफ्तार

ड्राइवर के पास नहीं थे वैध दस्तावेज

शिवपुरी ब्यूरो। वन विभाग बदरवास के रेंज ऑफिसर रवि पटेरिया के मार्गदर्शन में उडनदस्ता टीम ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। ग्राम रामगढ़ के पास गश्त के दौरान टीम ने आम की हलकट लकड़ी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़कर जब्त किया। वाहन में लगभग 30 क्विंटल लकड़ी भरी हुई थी, जिसे शिवपुरी ले जाया जा रहा था। वन विभाग की टीम ने जब वाहन की तलाशी ली तो चालक चतुरी ओझा (36), निवासी शिवपुरी के पास लकड़ी से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हरे आम के पेड़ों को काटकर अवैध रूप से लकड़ी का परिवहन किया जा रहा था। वन विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली और लकड़ी को जब्त कर बदरवास वन कार्यालय में खड़ा करा दिया। इस दौरान परिक्षेत्र सहायक मिहीलाल जाटव, वनरक्षक रामसुखी रघुवंशी और वनरक्षक नंदराम जाटव समेत अन्य वन कर्मचारी मौजूद थे। वन विभाग ने आरोपी के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अल्प प्रवास पर ग्वालियर पधारे

विमानतल पर हुआ आत्मीय स्वागत

ग्वालियर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अल्प प्रवास पर शनिवार को ग्वालियर पधारे। ग्वालियर विमानतल पर जनप्रतिनिधियों ने पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया और प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अगवानी की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज 19 अप्रैल को राजकीय विमान द्वारा भोपाल से ग्वालियर पधारे। कुछ समय रुकने के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव हैलीकॉप्टर से मुरैना जिले में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिये रवाना हुए। मुरैना में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात मुख्यमंत्री हैलीकॉप्टर द्वारा ग्वालियर पधारे और राजकीय विमान द्वारा भोपाल के लिये प्रस्थान किया। विमानतल पर विधान सभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, पूर्व मंत्री श्री रामनिवास रावत , भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, ग्रामीण अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर सहित जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री की अगवानी की। इस मौके पर संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री, आईजी ग्वालियर श्री अरविंद सक्सेना, डीआईजी श्री अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय उपस्थित थे।

थाना माधौगंज पुलिस ने जनरल किराना स्टोर में चोरी करने वाले दो शातिर नकबजनों को चोरी के माल सहित किया गिरफ्तार

उक्त नकबजनों से चोरी के 86 पैकेट राजश्री गुटका, 12 पैकेट सिगरेट एवं एक सीसीटीव्ही कैमरा कुल जप्त मषरूका कीमती लगभग 70 हजार रूपये के जप्त किये गये।

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले में चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर चोरों व नकबजनों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देषों के तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) श्री गजेन्द्र सिंह वर्धमान द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं के आरोपियों की पतारसी कर माल मषरूका की बरामदगी कर चोरों को पकड़ने हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के निर्देष दिये गये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषों के परिपालन में सीएसपी लश्कर श्री मनीष यादव के कुषल मार्गदर्षन में थाना प्रभारी माधौगंज निरी0 प्रषांत शर्मा के नेतृत्व में थाना बल की एक टीम गठित कर टीम को अपराध क्रमांक 93/25 धारा 331(4),305 बीएनएस की चोरी की घटना का खुलासा कर आरोपी को पकड़ने एवं चोरी गया माल मषरूका की बरामदगी हेतु लगाया गया। दौराने विवेचना पुलिस टीम द्वारा उक्त चोरी की घटना के अज्ञात आरोपियों की पतारसी हेतु पुलिस टीम द्वारा मुखबिर तंत्र सक्रिय किये गये। दिनांक 19.04.2025 को पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता व मुखबिर सूचना के आधार पर अवाडपुरा पानी की टंकी के पास से दो संदिग्धों को अभिरक्षा में लिया गया। पकड़े गये दोनों संदिग्धों से नाम पता पूछने पर पहले ने स्वयं को अवाडपुरा पानी की टंकी के पास कम्पू व दूसरे ने घोसीपुरा पीर छल्ला की दरगाह थाना बहोडापुर जिला ग्वालियर का रहने वाला बताया। पकड़े गये दोनों संदिग्धों से उक्त चोरी के प्रकरण के संबंध में गहनता से पूछताछ की गई तो उनके द्वारा जनरल किराने स्टोर से राजश्री गुटका के पैकेट, सिगरेट, कैमरा एवं नगदी रूपये चोरी करना स्वीकार किया। पकड़े गये दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी के 86 पैकेट राजश्री गुटका, 12 पैकेट सिगरेट एवं एक सीसीटीव्ही कैमरा कुल कीमती लगभग 70 हजार रूपये का माल विधिवत जप्त किया गया। पकड़े गये दोनों आरोपियों को थाना माधौगंज के अपराध सदर में गिरफ्तार कर चोरी के अन्य माल मषरूका के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

घटना का संक्षिप्त विवरणः- दिनांक 07.04.2025 को फरियादी मुकेश अग्रवाल निवासी मामा का बाजार ने रिपोर्ट लेख कराई थी कि उसकी जनरल स्टोर की दुकान से दिनांक 06-07.04.2025 की दरमियानी रात्रि में अज्ञात चोर दुकान के अंदर घुसकर दुकान में रखा सामान राजश्री गुटखा की तीन बोरी, सिगरेट के 12 डंडे, एवं नगदी रूपये व एक सीसीटीव्ही कैमरा चोरी कर ले गया है। उक्त सूचना पर से थाना माधौगंज में अप0क्र0-93/25 धारा 331(4),305 बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

बरामद मषरूकाः- चोरी के 86 पैकेट राजश्री गुटका, 12 पैकेट सिगरेट एवं एक सीसीटीव्ही कैमरा कुल जप्त मषरूका कीमती लगभग 70 हजार रूपये।

सराहनीय भूमिकाः- थाना प्रभारी माधौगंज निरी0 प्रशान्त शर्मा, प्र.आर0 सतेन्द्र सिंह तोमर, आर0 मुकेश शर्मा, संतोष कुशवाह, केशव कुमार, जितेन्द्र तुरेले, मुलायम सिंह, जयसिंह, महेन्द्र शर्मा एवं सायबर सेल से उनि0 रजनी रधुवंषी, आर0 सोनू प्रजापति, प्रदीप यादव की सराहनीय भूमिका रही।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में टेलीमेडिसिन सुविधा मील का पत्थर साबित होगी- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

हजार बिस्तर अस्पताल में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किया टेलीमेडिसिन हब का शुभारंभ

ग्वालियर। ग्वालियर जिले के सुदूर क्षेत्र में स्थित सरकारी अस्पताल में बैठे जरूरतमंद मरीजों को जेएएच समूह ग्वालियर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सीधी सलाह मिल सकेगी । इस आधार पर स्थानीय अस्पताल के माध्यम से जरूरी जाँचें हो सकेंगी और दवाएं उपलब्ध कराकर उनका इलाज हो सकेगा। यह सब सरकार द्वारा शुरू की गई टेलीमेडिसिन सुविधा के माध्यम से संभव होगा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने शनिवार को हजार बिस्तर अस्पताल में फीता काटकर टेलीमेडिसिन सेंटर (हब) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों मे निवासरत जरूरतमंद मरीजों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में टेलीमेडिसिन सुविधा मील का पत्थर साबित होगी। टेलीमेडिसिन हब के शुभारंभ कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर , सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, विधायक श्री मोहन सिंह राठौर व भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. आर के एस

धाकड़ मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा टेलीमेडिसिन सुविधा के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्र के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श मिल सकेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सक बेहतर इलाज के लिए मरीजों को परामर्श देंगे। उन्होंने कहा यह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिला चिकित्सालयों एवं मेडीकल कॉलेजों से मेपिंग कर सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों से जोड़ा जा रहा है। ग्वालियर के हजार बिस्तर अस्पताल में शुरू हुए टेलीमेडिसिन हब से ग्वालियर सहित संभाग के अन्य जिलों के सरकारी अस्पताल भी जोड़े गए हैं।

यह सुविधा शुरू हो जाने से मरीजों को बार-बार ग्वालियर तक आने की जरूरत नहीं रहेगी। जरूरत होने पर चिकित्सकों द्वारा उन्हें उच्च चिकित्सा के लिए बुलाया जाएगा।

पुलिस ने माहेश्वरी धर्मशाला सराफा बाजार में "महिला चौपाल" लगाकर कामकाजी महिलाओं को साइबर एवं महिला अपराधों के प्रति किया जागरूक

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देष पर एवं अति. पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य) श्रीमती सुमन गुर्जर एवं डीएसपी महिला सुरक्षा श्रीमती किरण अहिरवार के मार्गदर्षन में ग्वालियर पुलिस की ऊर्जा डेस्क द्वारा सात दिवसीय विषेष महिला सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान तहत आज दिनांक 19.04.2025 को ऊर्जा डेस्क प्रभारियों द्वारा पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्र के भीड़भाड़ वाले बाजारों तथा सार्वजनिक स्थानों एवं स्कूल व कोचिंग में अभियान चलाया गया। दिनांक 19.04.2025 को डीएसपी महिला शाखा श्रीमती किरण अहिरवार एवं थाना कोतवाली प्रभारी उप निरीक्षक मोहिनी वर्मा द्वारा थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत माहेश्वरी धर्मशाला सराफा बाजार में महिला चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें सराफा बाजार, महाराज बाड़ा में दुकानों में काम करने वाली महिलाएं उपस्थित हुई। जिन्हें डीएसपी महिला शाखा एवं थाना कोतवाली प्रभारी द्वारा महिला संबंधी अपराध, साइबर अपराध एवं उनसे बचाव के संबंध में जागरूक किया गया और डीएसपी महिला शाखा श्रीमती किरण अहिरवार द्वारा महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उनकी समस्या का समाधान किया जाकर समझाईश दी गई और पुलिस अधिकारियों के नम्बर भी शेयर किये ताकि आवष्यकता होने पर वह तत्काल पुलिस को सूचना दे सकें। उन्होने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस टीम ऐसे आवारा लड़कों के खिलाफ कार्यवाही करेगी जो स्कूल-कॉलेज तथा कोचिंग संस्थानों के

आसपास या आने-जाने वाली लड़कियों या महिलाओं के साथ कमेंट या छींटाकशी करते हैं। इस अवसर पर थाना कोतवाली प्रभारी उप निरीक्षक मोहिनी वर्मा द्वारा कामकाजी महिलाओं को साइबर अपराधों के प्रति भी जागरूक किया गया और बताया गया कि सोशल मीडिया, अंजान लिंक, ओटीपी शेयर न करें, अंजान एप डाउनलोड न करें आदि के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को डिजीटल अरेस्ट के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कानून में डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई प्रावधान नही है और न ही कानूनन किसी से व्हाट्सएप या फोन के माध्यम से पुलिस कोई पूछताछ करती है, यह सब धोखाधड़ी और सायबर अपराध होता है। कार्यक्रम में उपस्थित कामकाजी महिलाओं ने ग्वालियर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान की सराहना की और इसे एक अच्छी पहल बताया। उन्होने कहा कि ग्वालियर पुलिस के इस अभियान के कारण काम करने वाली महिलाओं में आत्मविष्वास एवं सुरक्षा की भावना आई है। कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा अपनी समस्याओं को खुलकर पुलिस अधिकारियों को बताया गया और उनके द्वारा ऐसे स्थान भी बताये गये जहां आवारा लड़के खड़े होकर आने जाने वाली महिलाओं पर छींटाकशी करते हैं, पुलिस द्वारा ऐसे स्थानों को चिन्हित कर कार्यवाही की जाएगी। आज थाना कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत सिद्धार्थ स्कूल सराफा बाजार में थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक मोहिनी वर्मा एवं थाना स्टाफ द्वारा स्कूल के छात्र-छात्राओं को महिला संबंधी अपराध, साइबर अपराध एवं उनसे बचाव के संबंध में जानकारी दी गई और प्रोजेक्टर पर फोटो और वीडियो दिखाकर जागरूक किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को विश्वास दिलाया गया कि पुलिस से डरे नहीं पुलिस दुश्मन नहीं दोस्त है। उपस्थित छात्राओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ में पूछा गया और घर या स्कूल से बाहर निकलते ही रोड़ पर आवारा किस्म के लड़कों के द्वारा उन्हें परेशान तो नहीं किया जाता है इस संबंध में भी उनसे वार्तालाप की गई और छात्राओं को महिला हेल्पलाइन एवं बेटी की पेटी तथा 100 डायल के बारे में जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने जिले के दो ग्रामों में हुई आगजनी घटना का मौके पर पहुंचकर किया औचक निरीक्षण

किसानों की फसल के नुकसान को बताया दुःख घटना

दतिया। आज शनिवार को कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन ने राजस्व अमले के साथ जिले के दो ग्रामों में हुई आगजनी की घटना का मौके पर पहुंचकर किया औचक निरीक्षण कर किसान भाइयों को हुए उनके नुकसान पर जताया अफसोस। उन्होंने जिले के दो ग्रामों में ग्राम डंगराकुआ के आठ किसानों एवं ग्राम हिनोतिया के आठ किसानों की हुई फसल हानि घटना को दुःख बताया एवं सभी किसान भाईयों से कहा कि जिले का पूरा प्रशासनिक अमला एवं मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आप लोगों के साथ है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि घटित फसल हानि घटना की पूरी बारीकी से जांच की जाएगी यथा संभव जिन किसान भाइयों का नुकसान हुआ है उन किसान भाईयों को पूर्ण रूप से मदद की जाएगी।

रेत के अवैध उत्खनन के खिलाफ जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, चार पनडुब्बियाँ नष्ट कराईं और दो लोडर व तीन ट्रेक्टर जब्त

ग्वालियर। जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा विशेष मुहिम चलाई जा रही है जिसके तहत शनिवार को डबरा अनुविभाग के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर एसडीएम श्री दिव्यांशु चौधरी के नेतृत्व मे गई संयुक्त टीम ने पिछोर थाना क्षेत्र के अंतर्गत छापामार कार्रवाई कर सिंध नदी में 4 पनडुब्बी जब्त कर नष्ट की। साथ ही 2 लोडर और 3 ट्रेक्टर जब्त कर पुलिस थाना पिछोर में रखवाएं हैं। इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के लिए गई टीम में तहसीलदार डबरा दिव्यदर्शन शर्मा, नायब तहसीलदार पिछोर रमाशंकर सिंह एवं अन्य अधीनस्थ राजस्व अमला शामिल था।

मिशन मोड में हो रहे हैं मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल।। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दृढ़ संकल्प को ही कार्यसिद्धि का मंत्र बनाया है। उन्होंने देश के सर्वांगीण विकास के लिए समाज के सभी वर्गों के एक साथ और एक समान सशक्तिकरण को आवश्यक बताया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए मध्यप्रदेश सरकार लगातार मिशन मोड में कार्य कर रही है। मिशन मोड में विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ने के लिये प्रदेश सरकार ने गरीब कल्याण मिशन, युवा शक्ति मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारी सशक्तिकरण मिशन लागू किये हैं। सभी मिशनों को पूरा करने के लिए अलग-अलग रोड़ मैप तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि उन्हें प्रधानमंत्री श्री मोदी के देश के सर्वांगीण विकास के संकल्प ने प्रेरित किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि समाज के सभी वर्गों के मिशन मोड में सशक्तिकरण से मध्यप्रदेश विकास की नई ऊचाइयों को स्पर्श करेगा।

गरीब कल्याण मिशन

गरीब कल्याण मिशन का मुख्य उद्देश्य गरीबों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों को मजबूत करना है, ताकि वंचित वर्ग को कठिन समय में आवश्यक सहायता मिल सके। इसके अतिरिक्त, मिशन इस वर्ग को रोजगार से संबंधित चुनौतियों से निपटने में सक्षम

योजनाओं का लाभ दिलाएगा। आर्थिक रूप से पिछड़े, जरूरतमंदों को मिशन में वित्तीय सहायता प्रदान कर आर्थिक सशक्तिकरण में मदद करेगा। बुनियादी सेवाओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और आवास तक पहुंच में सुधार किया जाएगा, जिससे गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हो सकें। गरीब कल्याण मिशन, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को सशक्त बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाएं और आवश्यक सेवाएं उन तक सहजता से पहुंच सकें।

युवा शक्ति मिशन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विश्वास है कि 'स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन' प्रदेश के युवाओं के सशक्तिकरण का सक्सेस मंत्र सिद्ध होगा। युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी 2025 को लॉंच किया गया यह मिशन युवा पीढ़ी को आधुनिकतम तकनीकों, उद्यमिता और खेल क्षेत्र में उच्च कौशल से सशक्त बनाएगा। यह मिशन से प्रदेश के युवाओं को बदलते दौर में स्वयं को विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के लिये सशक्त बनायेगा। इससे मिशन की परिणिति युवाओं के सफल एवं सक्षम नेतृत्व के गुणों से संपन्न बनने, ग्लोबल जॉब मार्केट का सशक्त प्रतिस्पर्धी बनने और नौकरी ढूंढ़ने की कतारों में लगे युवा के स्थान पर नौकरी देने वाला उद्यमी बनने में होगी।

'युवा शक्ति मिशन' के सफल क्रियान्वयन में आधुनिक तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कौशल विकास के पाठ्यक्रम युवाओं को सहजता से उपलब्ध कराने और उसे सहजता से समझाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म लॉन्च किए गए हैं। इस प्लेटफार्म की सुविधाएं ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवाओं को समान रूप से सुलभ होंगी। मिशन का लाभ प्रदेश के युवा बढ़-चढ़ कर ले सकें, इसके लिए सोशल-मीडिया के माध्यमों का भी प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। इससे युवाओं को मिशन से संबंधित जानकारी आसानी से उपलब्ध हो रही है और युवाओं में मिशन के प्रति जागरूकता और रुचि बढ़ रही है।

किसान कल्याण मिशन

कृषि और कृषक देश एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए मध्यप्रदेश की मंत्रि-परिषद ने 15 अप्रैल को कृषक कल्याण मिशन को हरी झंडी दे दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में इस मिशन का उद्देश्य है कि अन्नदाता समृद्ध हों और कृषि क्षेत्र में आर्थिक स्थिरता आए। इस मिशन का उद्देश्य फसल-विविधीकरण के साथ ही पशुपालन एवं मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को एकीकृत कर समावेशी कृषि को बढ़ावा देना है। मिशन में कृषि-आधारित उद्यमिता जैसे प्रगतिशील उपायों को वित्तीय सहायता और तकनीकी परामर्श देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। मिशन के अंतर्गत जैविक खेती, पशुपालन, मत्स्य-पालन जैसे व्यवसायों का एकीकरण और उन्हें बाजारोन्मुखी बनाकर उपज की पहुंच बाजारों में सुनिश्चित करने के साथ ही कृषि-उद्यमिता को प्रोत्साहन पर जोर दिया जाएगा। मिशन किसानों को सीधे बाजारों से जोड़ने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों और स्थानीय मेलों का भी आयोजन भी कर रहा है, जिससे उनकी उपज के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित हो रहा है। किसानों का वित्तीय बोझ को कम करने के लिए मिशन के अंतर्गत बीज, उर्वरक और उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता और अनुदान दिया जा रहा है। इससे कृषि लागत कम होंगी और आय में वृद्धि होगी।

देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन

पुण्य-श्लोका लोकमाता देवी अहिल्या बाई के 300वें जयंती वर्ष में उनकी प्रशासन-स्थली महेश्वर में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में÷देवी अहिल्या बाई नारी सशक्तिकरण मिशन÷ का शुभारंभ किया गया। नारी सशक्तिकरण मिशन राज्य में मातृ-शक्ति की सामाजिक-आर्थिक स्थितियां सुधार कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मिशन का उद्देश्य महिलाओं को पुरुषों के ही समान अवसर उपलब्ध करा कर प्रदेश में जेंडर इक्वलिटी को बढ़ावा देना है। मिशन के अंतर्गत नारी शिक्षा और कौशल के विकास के लिए उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इससे रोजगार प्राप्त कर पाने के लिए नारी की सक्षमता और संभावनाएं बढ़ेंगी और उन्हें वित्तीय आत्मनिर्भरता प्राप्त होगी। मिशन महिला उद्यमिता को भी बढ़ावा देगा, उन्हें अपने व्यवसाय शुरू करने और उसके सुचारु संचालन के संसाधन, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसमें महिलाओं के सामाजिक सशक्तिकरण के लिए घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न जैसी लैंगिक समस्याओं से निपटने के कार्यक्रम भी शामिल होंगे। इससे प्रदेश में समावेशी समाज की स्थापना हो सकेगी।

संपादकीय

शांति सभी के लिए हितकर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर जो नजारा पेश आया उसमें एक साथ कई स्थितियां झलकती हैं। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सदस्य ने स्थगन प्रस्ताव रखा कि सारा काम रोक कर वक्फ अधिनियम पर चर्चा की जाए और इसके विरोध में उसी तरह प्रस्ताव पारित किया जाए जिस तरह तमिलनाडु विधानसभा में किया गया। एक सदस्य ने कहा कि जब 6 फीसद मुस्लिम आबादी वाला तमिलनाडु वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर सकता है तो मुस्लिम बहुल आबादी वाला जम्मू-कश्मीर क्यों नहीं यानी यहां वक्फ अधिनियम का विरोध मुस्लिम दृष्टिकोण से है। जब जम्मू-कश्मीर भाजपा के विधायक इस तरह के प्रस्ताव का विरोध करते हैं तब यह मामला सीधे-सीधे हिन्दू-मुसलमान का हो जाता है। लेकिन जब नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा चयनित विधानसभा अध्यक्ष पार्टी के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं देता और तमिलनाडु की तुलना पर कहता है कि इस समय यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है जबकि तमिलनाडु में उस समय प्रस्ताव पास हुआ था जब मामला न्यायालय में नहीं गया था। लेकिन पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कॉन्फ्रेंस और कुछ निर्दलीय मुस्लिम विधायकों ने अध्यक्ष की बात को नकार दिया तो हंगामा यहां तक बढ़ा कि 'भारत माता की जय' और 'अल्लाह हू अक्बर' के नारे लगने लगे, धक्का-मुक्की हुई, हाथापाई भी हुई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कोशिश यह दिखाई दी कि वह वक्फ अधिनियम का विरोध करते हुए भी दिखाई दें, मगर वास्तव में विरोध नहीं करें। जम्मू-कश्मीर की यह स्थिति मजहब, राजनीति और सत्ता के तेजी से बिगड़ते संतुलन का प्रतीक है। विधानसभा में जिस तरह की सांप्रदायिक कटुता दिखाई दी अगर वह सदन से बाहर प्रसारित होती है तो जम्मू-कश्मीर इस समय थोड़ी शांति से जी रहा है, फिर से उपद्रवी हालात की ओर मुड़ सकता है। ऐसी सूरत में मुख्यमंत्री उमर की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह इस मामले को यथाशीघ्र शांत करें और इसे अराजकवादी तत्वों के हाथ में पहुंचने से रोकें। केंद्र सरकार को भी इस मामले को हलके में नहीं लेना चाहिए। भाजपा और मुस्लिम नेताओं की भी इसमें जिम्मेदारी बनती है कि इस मुद्दे पर वे लोगों को अनावश्यक तौर पर न भड़काएं क्योंकि शांति सभी के लिए हितकर है। इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिए।

भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को वैश्विक मान्यता

श्रीमद्भगवद्गीता और नाट्यशास्त्र यूनेस्को धरोहर में शामिल

(संदीप सृजन-विभूति फीचर्स)

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत ने विश्व मंच पर एक बार फिर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के प्रतिष्ठित मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया जाना न केवल भारत के लिए गर्व का क्षण है, बल्कि यह मानव सभ्यता के बौद्धिक और सांस्कृतिक इतिहास के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। इन दोनों ग्रंथों का यूनेस्को धरोहर में शामिल होना, इन ग्रंथों के सांस्कृतिक और दार्शनिक योगदान के वैश्विक प्रभाव और भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनके संरक्षण के महत्व को दर्शाता है। यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कार्यक्रम, जो 1992 में शुरू हुआ, विश्व की महत्वपूर्ण दस्तावेजी धरोहरों को संरक्षित करने और उनकी वैश्विक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक दस्तावेजों को विस्मृति से बचाना और भावी पीढ़ियों के लिए उनकी प्रासंगिकता बनाए रखना है। इस रजिस्टर में शामिल होने वाली धरोहरें मानव सभ्यता के लिए असाधारण महत्व रखती हैं, और श्रीमद्भगवद्गीता व नाट्यशास्त्र का इसमें शामिल होना भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को वैश्विक मान्यता प्रदान करता है।

श्रीमद्भगवद्गीता-आध्यात्मिक और दार्शनिक धरोहर

श्रीमद्भगवद्गीता, जिसे अक्सर केवल गीता कहा जाता है, भारतीय दर्शन और आध्यात्मिकता का एक अनमोल रत्न है। यह महाभारत के भीष्म पर्व का हिस्सा है और इसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया उपदेश शामिल है। गीता के 18 अध्यायों में 700 श्लोक हैं, जो जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे कर्तव्य (धर्म), ज्ञान (ज्ञान योग), भक्ति (भक्ति योग), और कर्म (कर्म योग) पर गहन दार्शनिक विचार प्रस्तुत करते हैं।

गीता का केंद्रीय संदेश मानव जीवन को संतुलित और अर्थपूर्ण बनाने के लिए है। यह व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्काम भाव से करने, आत्म-साक्षात्कार की दिशा में अग्रसर होने और ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण की प्रेरणा देता है। गीता में तीन गुणों (सत्व, रजस, तमस) का उल्लेख और सात्विक बुद्धि की महत्ता पर बल दिया गया है, जो मानव को धर्म और अधर्म, बंधन और मोक्ष के बीच अंतर समझने में मदद करती है। यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता का शामिल होना इसकी सार्वभौमिक प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। यह ग्रंथ न केवल हिंदू धर्म का आधार है, बल्कि इसमें वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे विविध भारतीय दार्शनिक विचारों का समन्वय है। गीता का प्रभाव विश्व स्तर पर देखा जा सकता है, क्योंकि इसे विभिन्न भाषाओं में अनुवादित किया गया है और यह विश्व भर के दार्शनिकों, विचारकों और सामान्य लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है।

नाट्यशास्त्र-भारतीय कला और सौंदर्यशास्त्र का आधार

भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र भारतीय प्रदर्शन कलाओं का एक प्राचीन विश्वकोश है। यह नाटक, अभिनय, नृत्य, संगीत, रस (सौंदर्य अनुभव), और भाव (भावनात्मक अभिव्यक्ति) जैसे विषयों पर व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। नाट्यशास्त्र को भारतीय रंगमंच, काव्यशास्त्र और सौंदर्यशास्त्र का आधार माना जाता है। इसमें रस सिद्धांत, जो नौ रसों (श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, वीभत्स, अद्भुत, और शांत) को परिभाषित करता है, ने भारतीय कला और साहित्य को गहराई से प्रभावित किया है। नाट्यशास्त्र केवल एक तकनीकी ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की भावनात्मक और सौंदर्यपूर्ण चेतना का प्रतीक है।

इसने न केवल भारत में, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया और अन्य क्षेत्रों में भी प्रदर्शन कलाओं को आकार दिया है। नाट्यशास्त्र में वर्णित सिद्धांत आज भी भारतीय शास्त्रीय नृत्य (जैसे भरतनाट्यम, कथक, और ओडिसी) और रंगमंच में जीवंत हैं। यूनेस्को द्वारा नाट्यशास्त्र को मान्यता देना भारतीय कला और संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाता है। यह ग्रंथ मानव अभिव्यक्ति और सौंदर्यशास्त्र के क्षेत्र में भारत के योगदान को रेखांकित करता है।

व्यंग्य: डर बिकता है

विवेक रंजन श्रीवास्तव

हारर फिल्मों में डर का उत्पादन एक फैक्ट्री की तरह होता है–एकदम फॉर्मूला बेस्ड डर, जैसे स्कूल में पीरियड के लिए घंटी बजते ही सारे बच्चे अनुशासन में आ जाते थे, वैसे ही इन फिल्मों में डराने के लिए पत्तों की सरसराहट और बिजली की कड़कड़ होती है। निर्देशक की सोच किसी भूतिया हवेली में जाती है, वहां कैमरा पहुंचते ही पत्ते सरसराने लगते हैं । दरवाजा चूं चरर चूं की आवाज करता है और प्रकाश मद्धिम होता है, मकड़ी के जाले, धूल बोनस में मिलते हैं, पर एक चौकीदार हवेली में जाने किसकी तीमारदारी के लिए सुलभ मिलता है। भूत का भय भूत से बड़ा होता है। डर ही पैदा करना है , तो सीधे भूत को सामने लाइए, ये पेड़ों में लटकाकर भूत को सजा देने मुझे क्या तुक है? और बारिश, हर भूतिया कहानी में बारिश होती ही है? क्या भूतों का मौसम विभाग से कोई अनुबंध है? जहां डर की आवश्यकता हो, वहां तुरंत घनघोर घटा , आंधी आ जाती है। बिजली गायब हो जाती है और आती है, व्हाया आसमान , लरजती चमकती कड़कती है, जैसे किसी पुराने बिजली विभाग के कर्मचारी ने आसमान में एक्स्ट्रा ओवरटाइम लगाया हो। हारर फिल्में एक खास ध्वनि प्रभाव पर जीती हैं। साउंड इंजीनियर के ट्रेक फिक्स हैं, दरवाजा के पल्ले खोलते ही वह चरमराता है, बैकग्राउंड में पायल के घुंघरू छनकाते सफेद वस्त्रावृत महिला दूर जाती दिखती है । इतने पर भी जब समझदार दर्शकों के रोंगटे खड़े नहीं होते तो किसी चमगादड़ को अचानक उड़ाना पड़ता है साउंड इफेक्ट दर्शक में डर भरने का काम करता है।आता है । इस मुकाम के आते आते फिल्म समीक्षक दस में से कितने स्टार देने हैं , तय कर चुकते हैं । हर हारर फिल्म में एक कहानी श्लोक की तरह दोहराई जाती है। पचास साल पहले इस हवेली में एक साध्वी की निर्मम हत्या हुई थी... तबसे उसकी आत्मा यहां भटक रही है। मतलब पचास साल हो गए, और आत्मा अभी भी निकलने वाला मूड नहीं बना पाई ! इतने सालों में उसे कोई आत्मा विकास केंद्र न मिल पाया। ये फिल्मी आत्माएं भी पुरानी हवेलियों में ही क्यों भटकती हैं? रेलवे स्टेशन, नए नए खुल रहे एयर कंडीशन मॉल या बिजली विभाग के दफ्तर में क्यों नहीं दिखतीं? शायद वहां डराने से पहले ही उन्हें टिकट या बिजली बिल भरना पड़ता हो। पुरानी एवरेडी वाली टार्च की रोशनी में जब बुजुर्ग चौकीदार खड़खडाहट की तरफ रोशनी डालता है तो काली बिल्ली नजर आती है । भूत भी इतने सभ्य होते हैं कि हमेशा रात का ही इंतजार करते हैं। दिन में अगर कोई डरावना सीन हो जाए तो सेंसर बोर्ड शायद उस भूत की नागरिकता रद्द कर दे। और जब भूत आता है, तो कैमरा ज़ूम इन करता है–तीन बार, तीन एंगल से–मानो भूत की कोई इंस्टाग्राम रील बन रही हो ! कुछ फिल्मों में तो भूत खुद को इतना स्टाइलिश दिखाते हैं कि लगने लगता है जैसे वो कोई ब्यूटी पार्लर से निकलकर सीधे शूट पर आए हों। बाल लहराते हुए , भूरी आंखों में काजल, और चाल में स्लो मोशन–भूत कम, फैशन शो के प्रतिभागी लगते हैं। नायक या नायिका अकेले किसी कोठरी में जाता है, और वहां दीवार पर खून से लिखा होता है–भाग जा ! लेकिन वो उल्टा पूछता है, कौन है? अरे, लिखा है भाग जा, तो भाग ! पर हॉरर फिल्म का राइटर पंगा लेता ही है। ओझा या तांत्रिक की एंट्री होती है, मनोरंजन डबल , इस बीच एक गाना सैट हो जाता है। बाबा लोग हमेशा काले कपड़े में आते हैं । अग्नि प्रज्ज्वलित की जाती है।

आत्मा भी मानो स्क्रिप्ट पढ़कर आई हो, बड़बोले बिना समझे

शब्द सामर्थ्य -023

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 022 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सू- दोकू क्र.023

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.022 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों में दिन व्यतीत होगा। आज आपको स्वयं पर भरोसा रखना होगा। अपनी क्षमता से अधिक कार्य भार ना लें। आज के दिन निवेश करना भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा। प्रॉपर्टी अथवा वाहन खरीदने संबंधी विचार चल रहा है, तो उस पर अमल करने का अनुकूल समय है। कुछ समय अपनी रुचि संबंधी कामों में भी बिताएंगे। अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने से पहले उस पर अच्छी तरह सोच-विचार जरूर करें।

वृषभ आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कारोबारी गतिविधियों में ध्यान देने की जरूरत है। आज उत्तम स्थिति बनी हुई है लिए गए निर्णय के बेहतर परिणाम हासिल होंगे। विद्यार्थियों को इंटरव्यू अथवा करियर में उचित सफलता मिलने के योग है। प्रॉपर्टी से संबंधित कार्यवाही चल रही है, तो आज बात बन सकती हैं। जीवन के प्रति आपका सकारात्मक रवैया आपके आत्म बल को और अधिक मजबूत रखेगा। आपके प्रयासों से रुके हुए कार्य सुचारु रूप से चलेंगे। अपने प्रत्येक कार्य को गंभीरता से पूरा करने का प्रयास करें।

मिथुन आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। दूसरों की व्यक्तिगत गतिविधियों से खुद को दूर रखें। अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक मामलों को अहमियत दें। आज बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने से उनका मनोबल बढ़ेगा। इसलिए उनके साथ कुछ समय बिताएंगे। आज सम्मानित व्यक्तियों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। घर की सुख- सुविधा से संबंधित मूल्यवान वस्तुओं की खरीददारी करेंगे। धर्म-कर्म के मामलों में आस्था बनी रहेगी। नया वाहन लेने का मन बनाएंगे, परिवार वालों से भी सलाह लेंगे।

कर्क आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज खास कार्य पूरा होने से आपको प्रसन्नता मिलेगी। आज अपने बारे में सोचें और अपने लिए ही काम करें। पारिवारिक समस्या किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से समाप्त होगी और आपसी रिश्ते बेहतर बनेंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष बेहतर बना रहेगा। परंतु खर्चों पर कटौती करना भी मुश्किल होगा। खुद को साबित करने के लिए और मेहनत की जरूरत है। आज अपने सभी निर्णय खुद ही लें, तो आपके लिए कारगर साबित होंगे। दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो आपका समय नुकसान होगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको विशेष उपलब्धि मिलने वाली है। आपका गुस्सा व बहुत अधिक अनुशासित होना दूसरों के लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा। कुछ समय अध्यात्मिक अथवा धार्मिक गतिविधियों में व्यतीत करें। व्यवसाय में किसी के साथ डील या लेनदेन करते समय बहुत अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आज आपका दांपत्य जीवन अच्छा रहने वाला है। जीवनसाथी प्रसन्न होने की वजह देंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है, जल्द ही सफलता मिलने वाली है।

कन्या आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। अपनी जीवनशैली को और उन्नत बनाकर रखने का प्रयास करें। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में रुचि लेंगे। ऑफिस में कार्यभार की अधिकता की वजह से देर तक रुकना पड़ेगा। आज रुका हुआ काम पूरा होने वाला है। आपकी सकारात्मक और संतुलित सोच आपको योजनाबद्ध तरीके से काम संपन्न करने में मदद करेगी। सामाजिक गतिविधियों में आपका उचित योगदान बना रहेगा। लोग आपके कार्यों से प्रभावित होंगे।

तुला आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज परिस्थितियां आपके पक्ष में सुखद परिवर्तन लाने वाली है। इस समय व्यावसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए नया प्लान बनाएंगे।विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश कर सकते है। सरकारी सेवारत लोगों को बेहतरीन जिम्मेदारी मिलने वाली है। आज कुछ अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा और आपको नई-नई जानकारियां हासिल होगी। युवाओं को अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर की गई मेहनत का बेहतर परिणाम मिलेगा। लव मेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से कार्यों को पूरा करेंगे। मन मुताबिक परिणाम मिलने से मन में खुशी रहेगी। युवाओं को अपने करियर से संबंधित खुशखबरी मिल सकती हैं। आज व्यवसाय संबंधी किसी काम में पिता जी से सलाह मिलेगी जो आपके लिए कारगर साबित होगी। मशीनरी आदि से जुड़े व्यवसाय में आपको अच्छा लाभ होगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज सफलता मिलने वाली है।

धनु आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी दोस्त से खुशखबरी मिलने वाली है। आज आपको ऑनलाइन कुछ नया सीखने को मिलेगा, जो कि आपके भविष्य के लिए बहुत ही कारगर साबित होगा। आज आपका सकारात्मक दृष्टिकोण व संतुलित व्यवहार लोगों को बेहद पसंद आएगा। किसी धार्मिक स्थल पर जाने से मानसिक शांति मिलेगी। आज काम समय पर पूरा करना आपकी मेहनत पर निर्भर करेंगे। प्रशासनिक नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को आज बड़ी सफलता मिलने वाली है।

मकर आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। किसी भी काम को करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी अवश्य हासिल करें। आज आप व्यापार में प्रोडक्शन के साथ-साथ उनकी गुणवत्ता पर भी ध्यान देंगे। आज कई चीजें आपके पक्ष में रहेंगी। किसी को उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उपलब्धि मिल सकती हैं। जिससे समाज में आपका रुतबा बढ़ेगा। आज मित्रों का सहयोग आपकी मुश्किल को हल कर सकता है। लवमेट से उपहार मिलेगा जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बच्चों की शिक्षा अथवा करियर को लेकर चल रही समस्या का समाधान मिलेगा। किसी कोर्ट केस का फैसला आज आपके पक्ष में आएगा। जीवनसाथी आज आपके कार्यों में सहयोग करेंगे। एक दूसरे पर भरोसा बनाये रखें, रिश्ते में मजबूती आएगी। अचानक कुछ ऐसे खर्चे सामने आएंगे, जिन पर कटौती करना संभव नहीं होगा। लेकिन आय रोज की अपेक्षा ज्यादा होगी। लवमेट आज कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। साथ ही एक दूसरे को उपहार भी देंगे।

मीन आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। किसी अनुभवी के मार्गदर्शन से सभी कार्य योजना बद्ध तरीके से संपन्न होते जाएंगे और आप अपने अंदर अद्भुत ऊर्जा महसूस करेंगे। युवा वर्ग अपने भविष्य संबंधी गतिविधियों को लेकर पूरी तरह गंभीर रहेंगे। घर में रिश्तेदारों के आने-जाने से दिन भर चहल पहल बनी रहेगी। आज उधार दिया हुए पैसा अचानक आपको वापस मिलेंगे। जिससे आप अपने जरुरत का सामान खरीदेंगे। छात्रों को आज बड़ी सफलता मिलेगी, जिससे लोग शुभकामनाएं देंगे।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के बाद अब ब्लॉकचेन वोटिंग सिस्टम की सुगबुगाहट

(डॉ. राघवेन्द्र शर्मा-विनायक फीचर्स)

वैश्विक स्तर पर स्थापित सत्य है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। एक ऐसा देश जहां लगभग डेढ़ अरब लोग निवास करते हैं। जनसंख्या के लिहाज से यह इतना बड़ा आंकड़ा है कि भारत का एक-एक शहर अपने भीतर एक से अधिक राष्ट्र समाहित कर लेने की हद तक फैला हुआ है। फिर भी हमारे देश के नागरिक बेहद आधुनिक चुनाव पद्धति के माध्यम से ग्रामीण, शहरी, जनपदीय, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर भली भांति हर प्रकार की सरकारों का गठन लोकतांत्रिक प्रणाली से कर रहे हैं। आज जब स्वयं को विकासशील और विकसित कहने वाले अनेक राष्ट्र मतपत्र आधारित चुनाव प्रणाली में ही उलझे हुए हैं,तब हमारा भारत देश अत्याधुनिक चुनाव प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन तक का सफर तय कर चुका है। एक जमाना ऐसा था जब हमारे यहां भी मतपत्र प्रणाली पर आधारित चुनाव प्रक्रिया व्यवहार में लाई जाती थी। लेकिन इस देश ने और देश के चुनाव आयोग ने मतपत्र प्रणाली पर आधारित चुनाव प्रक्रिया अपनाते हुए अनेक प्रतिकूल, बेहद खतरनाक परिणाम भी देखे। कई दशकों तक येन केन प्रकारेण सत्ता पर काबिज बने रहने अथवा सत्ता पर काबिज होने के लिए मतदान प्रणाली की सात्विकता का हरण किया जाता रहा। जिसकी लाठी उसकी भैंस की तर्ज पर अनेक अवसरवादी, सत्ता लोलुप और नैतिकता से लगभग नाता तोड़ चुके घाघ राजनेता बूथ कैप्चरिंग करते रहे। नकली मत पेटियों से असली मत पेटियां बदली जाती रहीं। चुनावी टीम को एक प्रकार से अपहृत करते हुए मनपसंद उम्मीदवार के चुनाव चिन्ह पर यंत्रवत ठप्पे लगाए जाते रहे। इस पाप पूर्ण कृत्य का विरोध करने पर जागरूक मतदाताओं, चुनाव कराने वाले कर्मचारियों, अधिकारियों, पत्रकारों को मौत के घाट उतारा जाता रहा। फल स्वरुप एक समय ऐसा भी आया जब गांव की पंचायत से लेकर देश की लोकसभा तक, विभिन्न सदनों में, बाहुबल के बल पर जीत कर आए, आपराधिक पृष्ठभूमि के जनप्रतिनिधियों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ गई। जब देश के विभिन्न भागों में भिन्न-भिन्न चुनाव रक्त रंजित होने लगे, तब देश के प्रबुद्ध वर्ग को चिंता हुई?। यह विमर्श किए जाने लगे कि ऐसा क्या किया जाए, जिससे चुनाव में रक्तपात ना हो। निर्वाचित होकर भी वही लोग सदन में पहुंचे मतदाता जिन्हें स्वेच्छा से चुनना चाहते हों। तब देश के सामने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का विकल्प सामने आया। तमाम अध्ययनों के बाद, कोई खामी शेष न रह जाए यह सुनिश्चित करने के बाद, अपराधी किस्म के नेता बूथ कैप्चरिंग ना कर पाएं यह संतुष्टि करने के बाद, अंततः देश ने ईवीएम यानि कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आधारित चुनाव प्रणाली को अपना लिया। इस प्रकार वर्ष 1982 में केरल राज्य के उत्तरी पारावुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में पहली बार ईवीएम आधारित चुनाव प्रणाली का इस्तेमाल किया गया। यह चुनाव उम्मीद से कहीं आगे जाकर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मतदान के परिणाम भी पारंपरिक मत पत्रों पर आधारित चुनाव प्रणाली की अपेक्षा बहुत जल्दी प्राप्त हो गए। अपवाद स्वरूप प्राप्त बेहद सीमित आपत्तियों के अलावा कोई उल्लेखनीय खामी सामने नहीं आई, जिसके चलते इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आधारित चुनाव प्रणाली को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया। बाद में जब विधानसभाओं और लोकसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का प्रयोग शुरू हुआ तो इसकी पारदर्शिता और सात्विकता पर अनेक उंगलियां उठीं। फल स्वरुप देश के चुनाव आयोग ने राज्यसभा, लोकसभा, विभिन्न प्रांतो की विधानसभाओं के अलावा कलेक्टरेटों में, और जहां तक संभव हो सकता था वहां तक इन मशीनों का प्रदर्शन किया। सभी स्तर के आम और खास लोगों को इसकी प्रक्रिया बताई व दिखाई गई। साथ में शिकायतें सुझाव एवं आपत्तियां मंगाई गईं। हर एक शिकायत, आपत्ति और सुझाव पर बारीकी से विचार विमर्श हुआ। जो सुझाव उचित लगे उन्हें व्यवहार में लाया गया। जिन शिकायतों अथवा आपत्तियों में तार्किकता दिखाई दी, उन्हें पूरी ईमानदारी से निराकृत किया गया। जब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सात्विकता, उनकी पारदर्शिता को लेकर व्यापक स्तर पर संतुष्टि काबिज हो गई, तब कहीं जाकर इस चुनाव प्रणाली को वृहद स्तर पर व्यवहार में लाया गया। यह बात और है कि चुनाव में मुंह की खाने वाले राजनेता और राजनीतिक दल, जीतने वाले सत्ताधारी दल पर और चुनाव आयोग पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में धांधलियां करने के आरोप मढ़ते रहे। लेकिन वह लोग कभी भी कोई तार्किक तथ्य सामने ना रख सके, जिससे उनके आरोपों को सही न माना गया। वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन आधारित चुनाव प्रणाली भली भांति चुनावी दायित्वों का निर्वहन कर रही है। सब कुछ ठीक-ठाक होने के बावजूद केवल चुनाव आयोग ही नहीं, अपितु देश इस बात को लेकर चिंतित है कि हमारे यहां मतदान का प्रतिशत अपेक्षाकृत अभी कम ही बना हुआ है। इस समस्या को लेकर जो तथ्य सामने आ रहे हैं, उनके मुताबिक देश के नागरिक बार-बार के चुनावों से तंग आ चुके हैं।

बात सही भी है, कोई साल और महीना ऐसा नहीं बीतता जब देश के किसी प्रांत, जिले, नगर, जनपद अथवा गांव में चुनाव संपन्न ना होता हो। परिणाम स्वरूप आम आदमी तो बार-बार के चुनावों से तंग तो आया ही, चुनावी आचार संहिता के बने रहने से विकास कार्य भी प्रभावित बने रहते हैं । आम आदमी के साथ-साथ विकास की गति को इस मुसीबत से छुटकारा दिलाने के लिए ही देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक राष्ट्र एक चुनाव की पुरजोर वकालत कर रहे हैं। यदि यह चुनाव प्रणाली देश में लागू होती है तो फिर आम आदमी को विभिन्न पदों के निर्वाचन हेतु बार-बार मतदान केंद्रों पर नहीं भटकना पड़ेगा। इससे मतदाताओं के अंतर्मन में गहरे तक पैठ चुकी ऊब से छुटकारा मिलेगा तथा मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सकेगा। इसी के साथ विकास कार्य भी निरंतरता के साथ संपादित किये जा सकेंगे। इसका मतलब यह हुआ कि भारत की वर्तमान चुनाव प्रणाली बखूबी अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है। उसकी पारदर्शिता और सात्विकता वैश्विक स्तर पर प्रामाणिकता प्राप्त कर चुकी है।

ऐसे में यदि एक और नई चुनाव प्रणाली की बात की जाए तो फिर सवाल यह खड़ा होता है कि जब सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है तो फिर एक और नया प्रयोग क्यों? इसका जवाब कुछ यूं हो सकता है कि सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है, यह सोचकर हाथ पर हाथ रखकर बैठते हुए भविष्य की चुनौतियों का सामना नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए - अभी भी चुनाव कराने के लिए लाखों पोलिंग बूथ, करोड़ों चुनाव अधिकारी - कर्मचारी, सुरक्षा बलों की व्यापक स्तर पर तैनाती, भारी पैमाने पर आर्थिक खर्चे तथा आम आदमी की मतदान केंद्रों तक आवाजाही, वह समस्याएं हैं जिनका हल हमें आज ही ढूंढना होगा। क्योंकि जैसे-जैसे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, व्यवस्थाएं, नियुक्तियां और खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ते चले जाने हैं। इन सभी के निराकरण स्वरूप दिमाग में एक संभावित चुनाव प्रणाली का ध्यान आता है, जिसका नाम है ब्लॉकचेन आधारित वोटिंग सिस्टम। यदि इस प्रणाली पर व्यापक वार्ता, बहस, विमर्श आदि हों तो परिणाम स्वरूप प्राप्त होने वाले सारगर्भित नतीजों से भारतीय लोकतंत्र के लिए नई संभावनाओं को तराशा जा सकता है। लेकिन इसके लिए, पहले हमें यह समझना होगा कि आखिर ब्लॉकचेन आधारित वोटिंग सिस्टम काम कैसे करेगा। इसका सबसे पहले चरण होगा मतदाता का पंजीयन। यह आधार कार्ड या किसी डिजिटल आईडी का उपयोग करके चुनाव आयोग द्वारा ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से सत्यापित किया जा सकता है। दूसरे क्रम पर आती है मतदान प्रक्रिया। इसे संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग प्रत्येक मतदाता को एक डिजिटल टोकन अथवा कोड प्रेषित करेगा, जिसके माध्यम से मतदाता जहां है वहीं से मान्यता प्राप्त गैजेट को माध्यम बनाकर अपने मनपसंद उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर सकेगा। बदले में उसे डिजिटल स्वरूप में ही तत्काल मतदान की रसीद चुनाव आयोग द्वारा भेजी जा सकेगी। मतदाता द्वारा चुनाव आयोग को भेजा गया उपरोक्त मतदान ब्लॉक चैन सिस्टम में दर्ज होगा जिसे बदला नहीं जा सकेगा। तीसरे क्रम पर मतगणना की बारी आती है।

चेहरे पर पार्लर जैसा निखार लाने के लिए काफी है सिर्फ एक टमाटर, ऐसे करें इस्तेमाल

आप शायद पहले से ही जानते होंगे कि टमाटर कई कारणों से एक सुपरफूड है. यह न केवल आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी चमत्कारी है. टमाटर उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना अधिक पैसे खर्च किए बहुत आसानी से सुंदर और आकर्षक दिखना चाहते हैं. टमाटर में चेहरे की चमक बढ़ाने और त्वचा की कई समस्याओं को ठीक करने की क्षमता होती है. इसमें विटामिन ए, सी और के भरपूर मात्रा में होते हैं. ये विटामिन त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं.

आपको बता दें, टमाटर में ऐसी खटास होती है जो आपकी त्वचा के रोमछिद्रों को खोलने में मददगार होती है और मुंहासों के इलाज में मदद करती है. टमाटर का इस्तेमाल हेल्दी स्किन सेल्स को प्रदूषित करने वाले फ्री रेडिकल्स को हटाने के लिए भी किया जा सकता है. बहुत से लोग अपनी बिजी लाइफस्टाइल के कारण त्वचा की देखभाल पर ध्यान नहीं देते हैं. ऐसे लोगों के लिए घर पर टमाटर का फेस पैक बनाना बहुत आसान है. चेहरे पर काले धब्बे, पिगमेंटेशन, झुर्रियां और एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने के लिए यह एक बेहतर उपाय है. टमाटर स्किन को जवां बनाए रखने में भी कारगर है.

रिपोर्ट के अनुसार, त्वचा की देखभाल के लिए टमाटर का इस्तेमाल करने के कुछ तरीके इस प्रकार हैं...

1.इसके लिए सबसे पहले एक ताजे टमाटर को आधा काट लें और फिर इसे अपनी त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें. 15 से 20 मिनट बाद इसे धो लें. ऐसा करने से स्किन पिगमेंटेशन दूर करने में मदद मिलेगी.

2.दूसरा तरीका यह है कि एक टमाटर लें और उसे अच्छी तरह से मैश करें और उसमें एक बड़ा चम्मच दही मिलाएं. इसे अच्छी तरह से मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं. 15 मिनट बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें. यह मुहांसों को रोकने के लिए एक बेहतरीन मास्क है.

3.वहीं, तीसरा तरीका यह है कि 2 से 3 चम्मच टमाटर की प्यूरी लें और इसमें 1 चम्मच नींबू का रस डालें और मिला लें. अब इस मिश्रण को त्वचा पर लगाकर 10 से 15 मिनट बाद धो लें. यह स्किन पर काले धब्बे और पिगमेंटेशन को हटाने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करेगा.

4.चौथा तरीका यह है कि एक टमाटर को पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें. इसमें आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें और मिला लें. इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें. यह मास्क त्वचा की सूजन और रंग परिवर्तन जैसी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी है. यह सूर्य की रोशनी से होने वाली त्वचा की क्षति की मरम्मत में भी मदद करेगा.

5.पांचवा तरीका यह है कि एक टमाटर को आधा काटें और उसपर थोड़ा चीनी छिड़क दें. आप इसका उपयोग अपने चेहरे और गर्दन पर तीन मिनट तक गोलाकार गति में धीरे-धीरे मालिश करने के लिए कर सकते हैं. फिर इसे ठंडे पानी से धो लें. यह डेड स्किन सेल्स को हटाने और त्वचा को नरम बनाने के लिए सबसे अच्छा है. ऐसा करना भी चेहरे की चमक बढ़ाने में कारगर है.

अगर आपको भी बार-बार आती है जम्हाई, तो ना करें इग्नोर हो सकती है कोई बड़ी बीमारी

जम्हाई हर किसी को आती है. जिसको लोग नजरअंदाज कर देते हैं. यह सोचकर की यह नींद या आलस की वजह से आ रही होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है. बार-बार जम्हाई आना किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है. आमतौर पर जम्हाई तब होती है जब शरीर को आराम चाहिए होता है या जब ब्रेन को ऑक्सीजन कम मिल रही होती है. लेकिन अगर आप बिना किसी थकान या नींद की कमी के लगातार जम्हाई ले रहे हैं, तो आपको इग्नोर नहीं करना चाहिए.

स्लीप डिसऑर्डर

रिपोर्ट के मुताबिक जम्हाई लेना नींद की कमी और स्लीप डिसऑर्डर का संकेत हो सकता है. दिन में बहुत ज्यादा नींद आना यानी एक्सेसिव डे टाइम स्लीपीनेस सिर्फ आलस नहीं ड्राइविंग एक्सीडेंट, काम की गलतियों, मानसिक समस्याओं और लंबे समय तक होने वाली बीमारियों की भी वजह बन सकता है.

बीमारियां

ब्रेन ट्यूमर

एक्सपर्ट्स के मुताबिक बार-बार जम्हाई आना कभी-कभी ब्रेन ट्यूमर, स्ट्रोक या मल्टीपल स्केलेरोसिस जैसी बीमारियों का साइलेंट सिम्प्टम हो सकता है.

हार्ट

रिपोर्ट्स के मुताबिक ज्यादा जम्हाई आना हार्ट अटैक या ब्लड सर्कुलेशन की प्रॉब्लम से भी जुड़ा हो सकता है.

शरीर के तापमान

शरीर के तापमान को कंट्रोल करने में दिक्कत होने पर भी बार-बार जम्हाई आ सकती है. यह न्यूरोलॉजिकल गड़बड़ी का संकेत हो सकता है.

इन बातों का रखें ध्यान

जम्हाई के साथ चक्कर आना
याददाश्त में कमी
हाथ-पैर सुन्न होना
तेज़ सिरदर्द या ब्लर विज़न
दिल की धड़कन तेज़ होना

क्या करें

नींद पूरी लें, कम से कम 7-8 घंटे
स्ट्रेस को कम करें
रोजाना फिज़िकल एक्टिविटी करें
स्क्रीन टाइम कम करें

अगर लक्षण लगातार बने रहें, तो जल्द से जल्द न्यूरोलॉजिस्ट या कार्डियोलॉजिस्ट से सलाह लें.

खेल/व्यापार

संक्षिप्त समाचार

इंफोसिस ने सीईओ सलिल पारेख के लिए 51 करोड़ रुपये की स्टॉक विकल्प योजना की मंजूरी दी, ये है मतलब

नई दिल्ली,ए.। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस के बोर्ड ने सीईओ और एमडी सलिल पारेख को 51 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का स्टॉक प्रोत्साहन या कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) देने को मंजूरी दे दी है। ये स्टॉक प्रोत्साहन ईएसजी और इक्विटी सहित विभिन्न मदों के तहत हैं, और इनकी कुल राशि 51 करोड़ रुपये से अधिक है। एक दस्तावेज में कंपनी ने कहा है कि बोर्ड ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों के आधार पर शेयरधारकों की मंजूरी के बाद पारेख के लिए इस वार्षिक अनुदान को मंजूरी दे दी है। कंपनी के अनुसार इस अनुदान में ÷प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयों (आरएसयू) के रूप में वार्षिक प्रदर्शन-आधारित स्टॉक प्रोत्साहन (वार्षिक प्रदर्शन इक्विटी अनुदान) भी शामिल है। 2015 की स्टॉक प्रोत्साहन मुआवजा योजना में अनुदान की तिथि तक 34.75 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाले कंपनी के इक्विटी शेयर शामिल हैं।÷ इंफोसिस ने कहा कि पारेख को यह अनुदान घोषणा की की तारीख से 12 महीने के भीतर दिया जाएगा, बशर्ते कि कंपनी बोर्ड की ओर से प्रदर्शन के लिए निर्धारित लक्ष्यों हासिल कर ले।÷ कंपनी ने गुरुवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि ईएसओपी 2 मई, 2025 से प्रदान किए जाएंगे और आरएसयू की संख्या की गणना 2 मई, 2025 को कारोबार बंद होने के समय के बाजार मूल्य के आधार पर की जाएगी। कंपनी ने इस दौरान चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 25 का स्कोरकार्ड जारी किया।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.56 अरब बढ़कर 677.83 अरब डॉलर पर पहुंचा, आंकड़े जारी

नई दिल्ली,ए.। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान 1.567 अरब डॉलर बढ़कर 677.835 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह लगातार छठा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। 4 अप्रैल को समाप्त पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 10.872 अरब डॉलर बढ़कर 676.268 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 892 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 574.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 638 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 79.997 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 60 लाख डॉलर घटकर 18.356 अरब डॉलर रह गए। शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के पास भारत की आरक्षित स्थिति 43 मिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 4.502 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

पंजाब ने बैंगलोर को 5 विकेट से हराया, आसीबी का अपने घर में हारने का सिलसिला जारी

बेंगलुरु,एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के एक बार फिर अपने घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा. इस बार उन्हें पंजाब किंग्स ने 5 विकेट से मात दी. शुक्रवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का मैच बारिश के कारण दो घंटे की देरी से शुरू हुआ. जिसकी वजह से मैच को घटाकर 14 ओवर-प्रति-साइड कर दिया गया, जिसमें विशेष खेल परिस्थितियों के कारण केवल तीन गेंदबाजों को अधिकतम 4 ओवर गेंदबाजी करने की अनुमति दी गई, और एक को दो ओवर की अनुमति दी गई. 96 रनों के लक्ष्य को पंजाब ने 13वें ओवर की पहली गेंद पर ही हासिल कर लिया. नेहाल वडेरा ने 33 रनों की बेहतरीन पारी खेली,जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल थे. लेकिन मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड टिम डेविड को दिया गया, क्योंकि उनकी 50 रनों की पारी की वजह से ही

आरसीबी को मैच में बने रहने का मौका मिला था. इस हार के साथ ही आरसीबी एकमात्र टीम है जिसने इस सीजन में अभी तक कोई घरेलू मैच नहीं जीता है. उसे पहले गुजरात के खिलाफ 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, उसके बाद दिल्ली के खिलाफ 6 विकेट से हार मिली और अब पंजाब ने 5 विकेट से हरा दिया. इस के अलावा आरसीबी एक स्थान पर सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम भी बन गई है. टॉस हारने के बाद, आरसीबी को पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया, और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पहले ओवर में खतरनाक फिल साल्ट को आउट कर दिया, उसके बीद विराट कोहली (1), लियाम लिविंगस्टोन (4) जितेश शर्म (2) रजत पाटीदार (23) क्रुणाल पांड्या (1) और इम्पैक्ट सब्सटीट्यूट मनोज भांडगे (1) के जलदी जलदी विकेट गिर गए. एक समय आरसीबी का स्कोर 42/7 कर दिया और फिर भुवनेश्वर कुमार को 8 रन पर आउट कर दिया. टिम डेविड ने आरसीबी की खराब पारी को एक बेहतरीन कैमियो के साथ अंतिम समय में जीवंत किया. उन्होंने 26 गेंदों पर 50 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 3 छक्के शामिल थे. ये टिम डेविड की आईपीएल में पहली फिफ्टी थी. जिसकी वजह से आरसीब 14 ओवर में 9 विकेट पर 95 रन तक पहुंचने में कामयाब रहा. इसके अलावा हेजलवुड और टिम डेविड की 32 रन की साझेदारी आईपीएल में 10वें विकेट के लिए आरसीबी की सबसे बड़ी साझेदारी है, जिसने डेविड विली और आकाशदीप के बीच 27 रन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया. पंजाब की ओर से अर्शदीप (2-23), जेनसन (2-10), चहल (2-11) और हरप्रीत बरार (2-25) ने शानदार गेंदबाजी की. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (प्लेइंग इलेवन): फिलिप साल्ट, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (डब्ल्यू), टिम डेविड, करुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेज़लवुड, सुयश शर्मा, यश दयाल पंजाब किंग्स (प्लेइंग इलेवन): प्रियांश आर्य, नेहल वढेरा, श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, मार्को जानसन, हरप्रीत बराड़, जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल

आईपीएल 2025 के बीच बीसीसीआई का बड़ा फैसला

-मैच फिक्सिंग को लेकर मुंबई टी20 लीग टीम के मालिक पर लगाया बैन

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खेल के भीतर भ्रष्टाचार से निपटने के अपने प्रयासों में एक अहम कदम उठाया है. हाल ही में बीसीसीआई ने मुंबई टी20 लीग में भाग लेने वाली एक फ्रेंचाइजी सोबो सुपरसोनिक्स फ्रैंचाइजी के सह-मालिक गुरमीत सिंह भामरा पर लाइफटाइम बैन लगा दिया है. मुंबई टी20 लीग के 2019 सीजन के दौरान हुई एक घटना की जांच के बाद बीसीसीआई लोकपाल न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने गुरमीत सिंह पर आजीवन बैन लगाया. जांच में पता चला कि भामरा ने शहर के दो क्रिकेटरों धवल कुलकर्णी और भाविन ठक्कर से फिक्सिंग को लेकर संपर्क किया था. इस अपराध के लिए भामरा को कड़ी सजा मिली है, जिससे वह अपने शेष जीवन के लिए बीसीसीआई द्वारा संचालित किसी भी क्रिकेट गतिविधि में शामिल होने से प्रतिबंधित हो गए हैं. धवल कुलकर्णी एक तेज गेंदबाज हैं, जिन्होंने 12 वनडे और कुछ टी20आई मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व भी किया है. गुरमीत सिंह

भमराह मुंबई टी20 लीग के अलावा, अब बंद हो चुके जीटी20 कनाडा टूर्नामेंट से भी जुड़े थे. मुंबई टी20 लीग को कोविड-19 महामारी के कारण 2019 सीजन के बाद निलंबित कर दिया गया था, इस साल फिर से शुरू होने वाला है, हालांकि, भमराह अब इससे जुड़े हुए नहीं हैं. हालांकि, भामरा के प्रतिबंध के बारे में आधिकारिक आदेश की प्रति में दंड की अवधि के बारे में स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, लेकिन यह समझा जाता है कि बीसीसीआई के भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के अनुसार, ऐसे अपराधों के लिए सजा की संभावित सीमा कम से कम 5 साल से लेकर अधिकतम आजीवन प्रतिबंध तक है. आदेश की प्रति में कहा गया है कि सोनू वासन नामक व्यक्ति ने भामराह के कहने पर मैच फिक्स करने के लिए ठक्कर से संपर्क किया था. खिलाड़ियों ने भामराह को पाजी कहा. इसके अनुसार, बातचीत की प्रतिलिपि से पता चलता है कि सोनू वासन ने प्रतिवादी की ओर से भाविन ठक्कर को पैसे और अन्य लाभ की पेशकश की।

रजत पाटीदार ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड, आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

बेंगलुरु,एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग का 34वां मैच बारिश से प्रभावित रहा. चिन्नास्वामी स्टेडियम, बेंगलुरु में खेले गए इस मैच में होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पंजाब किंग्स से 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. आईपीएल 2025 में आरसीबी की यह घरेलू मैदान पर तीसरी हार थी. इसके बावजूद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इतिहास रच दिया. पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में रजत पाटीदार ने 18 गेंद में 23 रन बनाए और एक शानदार उपलब्धि हासिल की. इस पारी के साथ ही रजत पाटीदार ने महज 30 पारियों में अपने 1000 आईपीएल रन पूरे किए और दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के साथ-साथ रुतुराज गायकवाड़ के रिकॉर्ड को तोड़ दिया. इन दोनों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 31 पारियां लीं थी. वहीं, मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा ने 1000 आईपीएल रन पार

करने के लिए 33 पारियां खेलीं.

आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार गुजरात टाइटन्स के साई सुदर्शन के बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय खिलाड़ी भी बन गए. इस लिस्ट में शीर्ष पर गुजरात टाइटन्स के स्टार बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। इस पारी के साथ ही रजत पाटीदार ने एक ऐसी उपलब्धि हासिल की जो उन्हें सबसे अलग बनाती है. पाटीदार आईपीएल के इतिहास में 35 से अधिक की औसत और 150 से अधिक की स्ट्राइक रेट के साथ 1000 रन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए. वह मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट के सबसे होनहार भारतीय बल्लेबाजों में से एक हैं. शुक्रवार को बारिश से बाधित इस मैच में पंजाब किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 5 विकेट से हराया. बारिश के कारण देरी से शुरू होने के बाद 14-14 ओवर के इस मैंच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी की. खराब शुरुआत के बाद टिम डेविड (26 गेंदों पर 50) ने कठिन पिच पर शानदार अर्धशतक जड़ा और आरसीबी को 9 विकेट पर 95 रन पर पहुंचाया।

नप कोलारस के कचरा प्रबंधन पर फूटा नागरिकों का गुस्सा

वाहन रोक कर दर्शाया विरोध, कहा बीच बस्ती में कचरा डालने से फैल रही हैं बीमारियां

शिवपुरी ब्यूरो। नगर परिषद कोलारस में कचरा प्रबंधन को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। वार्ड क्रमांक 3 के निवासियों ने शनिवार को कचरा वाहन को रोककर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद के कर्मचारी निर्धारित ट्रेंचिंग ग्राउंड की बजाय बस्ती के पास रेलवे की खाली जमीन पर कचरा फेंक रहे हैं। इससे आसपास के क्षेत्र में गंदगी और बदबू फैल रही है।

रहवासी शोभालाल जाटव ने बताया कि कचरे से बच्चों और बुजुर्गों में बीमारियां बढ़ रही हैं। कर्मचारी कचरे में आग लगा देते हैं। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं बुजुर्गों को सांस की बीमारियों का शिकार बना रहा है। कचरा डंपिंग स्थल पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। बारिश में इन गड्ढों में पानी भर जाता है। यह गंदा पानी बोरवेल के जरिए लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। एक मंदिर के पास भी कचरा डाला जा रहा है। स्थानीय निवासी सपना शिवहरे के अनुसार यहां मृत मवेशियों को भी फेंका जाता है। लोगों ने इस मुद्दे को लेकर कई बार नगर परिषद, कलेक्टर कार्यालय और सिंधिया जनसंपर्क केंद्र में शिकायत की है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही कचरा फेंकने की जगह नहीं बदली गई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

एसडीएम ने कचरा प्रबंधन का विकल्प तलाशने का दिया आश्वासन

मामले में सीएमओ संजय श्रीवास्तव ने बीमारी के चलते छुट्टी पर होने की बात कही। वहीं इस मामले कोलारस एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि अगर वार्डवासियों को गंदगी और धुएं से परेशानी हो रही है। तो वह आवश्यक रूप से इस मामले की जांच कराकर नगर परिषद प्रबंधन को विकल्प तलाशने के निर्देश देंगे, जिससे रहवासियों को परेशानी ना हो।

मनपुरा बस स्टेण्ड की अव्यवस्थाओं से यात्री परेशान

पिछोर विधानसभा क्षेत्र के मनपुरा कस्बे के बस स्टैंड पर यात्री सुविधाओं की कमी अब खुलकर सामने आने लगी है। बस स्टैंड पर छाया और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव यात्रियों को बेहाल कर रहा है। बसों का इंतजार कर रहे यात्रियों को भरी दोपहर में दुकानों की ओट में खड़े होकर अपनी बस का इंतजार करना पड़ रहा है। वर्तमान में अस्थाई बस स्टैंड पर सुविधाओं के अभाव में यात्रियों को बिना छाया के ही खड़ा रहना पड़ता है।

पोहरी के ग्राम गुरिच्छा के तालाब में जनभागीदारी से किया गहरीकरण

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्रमदान के लिए एकत्रित हुए ग्रामीणजन

शिवपुरी ब्यूरो। अभी 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत अनुभाग पोहरी के अंतर्गत ग्राम गुरिच्छा के शासकीय तालाब में जनभागीदारी से शासकीय तालाब का गहरीकरण और श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पोहरी एसडीएम मोतीलाल अहिरवार, जनपद पंचायत सीईओ ब्रम्हमेन्द्र गुप्ता, तहसीलदार दृगपाल सिंह बैस, जनपद उपाध्यक्ष मुन्नालाल रावत कैमई, जनपद सदस्य मुकेश यादव, जनपद सदस्य नंदकिशोर कुशवाह, ग्राम पंचायत से राजा भैया तोमर एंव पटवारी राधामोहन धाकड, रजनीश धाकड, ग्राम कोटवार ममता शाक्य एंव अन्य सहयोगी कोटवार, ग्राम पंचायत गुरिच्छा के जागरूक नागरिक इस कार्यक्रम में उपसिथत रहे। ग्राम गुरिच्छा के ग्रामीणजन ने तालाब गहरीकरण में श्रमदान किया। एसडीएम मोतीलाल अहिरवार द्वारा तालाब गहरीकरण में एंव जल संवर्धन कार्य में सहयोग करने के लिए सभी नागरिकों से जल संरचनाओं को बचाने तथा उनके संरक्षण की अपील की गई। ग्राम गुरिच्छा के तालाव में मिटटी, पत्थर, गाद आदि की पूरी सफाई कर अपने ग्राम गुरिच्छा के जल स्तर को बढाने में पूरा सहयोग करने की सभी ने शपथ ली।

दून पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया जिला संग्रहालय का भ्रमण, अपनी विरासत को सहेंजे

शिवपुरी ब्यूरो। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर दून पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अपनी संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत को जानने के लिए जिला संग्रहालय शिवपुरी का भ्रमण किया। संग्रहालय का प्रवेश द्वारा चुडैल छाप शैलाश्रय के स्थापत्य की प्रतिकृति के रूप में भव्यता के साथ बनाया गया है। यहां आदि मानव,बृम्ही लिपि व पेंटिग (चित्र) आकर्षण का केन्द्र है। द्वितीय शती ई.पू. का यह शैलाश्रय टुण्डा भरका खो माधव नेशनल पार्क में स्थित है। शिवपुरी जिला संग्रहालय में सैंकड़ों वर्ष पहले की स्थापत्य कला,मूर्तिकला, अस्त्र-शस्त्र,साज-सामान का संग्रह है जिससे हमें अतीत की सामाजिक,आर्थिक परिस्थितियों से रूबरू होने का अवसर मिलता है। अखलाक खान ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि संग्रहालय में रखे गए दस्तावेज,मूर्तियां एवं अन्य सामग्री हमें अपने इतिहास को सही रूप मे जानने का अवसर देते हैं व उनका वैज्ञानिक विश्लेषण कर सुन्दर भविष्य का निर्माण करने को प्रेरित करते है। दून पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर शाहिद खान ने संदेश दिया कि अतीत को समझने के लिए संग्रहालय का भ्रमण कर कलाकृतियों व प्राचीन अभिलेखों का अध्ययन कर शिवपुरी जिले के गौरवशाली इतिहास एवं संस्कृति की जानकारी मिलती है। हमें इनका सम्मान व संरक्षण करना चाहिए। म्यूजियम में शिवपुरी, बैराड़, नरवर, कोलारस, बदरवास, खनियाधाना के क्षेत्रों से प्राप्त कलाकृतियों का संग्रह हैं। इन्हें देखकर छात्र-छात्राऐं हैरत में पड़ गए कि उस समय मानव द्वारा किस तरह बनाया गया होगा। छात्रों ने जिज्ञासावश अनेक सवाल किए जिनकें संतोषजनक जबाव संग्रहालय के अधिकारीगण द्वारा दिए गए।

कलारी का मालिक शराब ठेकेदार के समर्थन में आया, आंदोलनकारियों से किया अभद्र व्यवहार, कुर्सियां उठाकर फेंकी और धरना दे रही महिलाओं को दी गालियां

शिवपुरी ब्यूरो। पुरानी शिवपुरी के वार्ड क्रमांक 20 में संचालित शराब की दुकान हटाने के लिए पार्षद बिंदास के नेतृत्व में वार्डवासियों का धरना दूसरे दिन सुबह से ही जारी हैं, लेकिन अब शराब ठेकेदार के समर्थन में मकान मालिक खुलेआम उतर आया है और उसने आंदोलनकारियों के साथ दुव्यवहार किया। महिलाओं को गालियां दी तथा धरना स्थल से कुर्सिया उठाकर फैंक दी। इसकी पार्षद विजय बिंदास ने निंदा की है और कहा है कि वह धमकियों से नहीं डरेंगे। उन्होंने कहा कि मकान मालिक अवैध रूप से शराब की दुकान को किराये पर देने के लिए अनुबंध कर रहा है। क्योंकि मकान उसके पिता जगदीश योगी के नाम हैं। जिनकी मृत्यु काफी पहले हो चुकी है और मकान का नामांतरण भी नहीं हुआ है। लेकिन मोटे किराये के लालच में जगदीश योगी का पुत्र राजकुमार योगी अभद्र व्यवहार करने पर तुला है ताकि दुकान खाली न हो सके। पार्षद विजय बिंदास ने बताया कि उनका धरना दूसरे दिन भी जारी है और यह धरना तब तक जारी रहेगा जब तक शराब की दुकान यहां से नहीं हटती है। उनकी पहले योजना थी कि धरना शाम 5 बजे से शुरू की जाए क्योंकि उसी समय से शराब की बिक्री शुरू होती है और शराबियों का माल्यार्पण कर गांधीवादी तरीके से उनका विरोध किया जाए परन्तु जिस गुण्डई अंदाज में ठेकेदार के समर्थन में मकान मालिक आया है और उसने महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया है एवं कुर्सियां फैंकी है उससे उन्होंने भयभीत न होकर धरना सुबह से ही देना शुरू कर दिया है।

चंबल एवं बडौदा रोड फीडर से आज बंद रहेगी बिजली

श्योपुर ब्यूरो। लाईन मेंटीनेंस के चलते आज 20 अप्रैल को सुबह 9 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक 11 केव्ही चंबल फीडर एवं बडौदा रोड फीडर से बिजली की आपूर्ति बंद रहेगी। जिसके चलते महाराणा प्रताप नगर कॉलोनी, चंबल कॉलोनी, नर्सरी के सामने, पप्पू होटल के आसपास, कॉलेज के सामने, जाट छात्रावास, जागा मोहल्ला, मोहन जी की बगीची, चिन्ताहरण हनुमान मंदिर, वार्ड न. 10, गांधी नगर, बजाज नगर, बायपास रोड, बडौदा रोड, पटेल चौक, पुल दरवाजा, मछली मार्केट, भोई मोहल्ला, रेगर मोहल्ला, क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बंद रहेगी।

घटना के बाद आदिवासी परिवार दहशत में, बदमाशों के हौंसले बुलंद

आदिवासियों को मिल रही जानलेवा धमकिया-प्रशासन मूकदर्शक

शिवपुरी ब्यूरो। शिवपुरी जिले के बैराड़ थाना अंतर्गत बन्हेरा खुर्द गांव की रामपुरा आदिवासी बस्ती में बीती रात हुई दरिंदगी के बाद भी हालात सामान्य नहीं हो सके हैं। बस्ती के पीड़ित परिवार अब भी दहशत में जी रहे हैं। मगर सबसे शर्मनाक और खतरनाक बात ये है कि अब वही संदिग्ध आरोपी और उनके गिरोह के लोग आदिवासियों को लगातार जान से मारने की धमकियाँ दे रहे हैं। मंगलवार सुबह पीड़ित परिवारों को फोन कर खुलेआम धमकाया गया कि जंगल जाओगे तो जिंदा नहीं लौटोगे और तुम्हारा संजय बेचैन व टीआई भी अब तीन दिन के हैं। पूरी बस्ती बदमाशों के आतंक में घुट-घुटकर जी रही है, जबकि पुलिस और प्रशासन अब भी कागजी खानापूर्ति में मशगूल हैं। घटना को लंबा समय बीत जाने के बाद भी न तो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई और न ही बस्ती की सुरक्षा के कोई इंतजाम किए गए। गांववालों और सहरिया क्रांति संगठन का आरोप है कि इस खौफनाक वारदात के पीछे कुछ स्थानीय दबंगों का भी संरक्षण है। यही वजह है कि आरोपी इतनी बेशर्मी और खुलेआम धमकियाँ दे रहे हैं। आदिवासी समाज का कहना है कि स्थानीय लोगों की मिलीभगत के बिना बदमाश इतनी बड़ी वारदात कर, खुलेआम फोन कर धमकियाँ नहीं दे सकते। आज फोन पर आदिवासियों को जानलेवा धमकी दी गई, जिसका वीडियो भी वायरल हो गया है।

बस्ती में अब भी पसरा सन्नाटा

रामपुरा बस्ती में अब भी मातम पसरा हुआ है। महिलाओं की आंखों में डर और बेबसी है। पीड़ित बैजन्ती बाई, अनीता और अन्य महिलाओं ने बताया कि अब जंगल जाना भी खतरे से खाली नहीं। खेतों में काम करने, लकड़ी-बांस काटने और महुआ-बेर बीनने जाने वाली महिलाओं को जान से मारने की धमकियाँ दी जा रही हैं।

सहरिया क्रांति आंदोलन ने चेताया

घटना के बाद लगातार मोर्चे पर डटे सहरिया क्रांति आंदोलन के सदस्यों ने बैराड़ थाने में पुलिस अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अगर जल्द ही बदमाश गिरफ्तार नहीं हुए तो आदिवासी समाज आंदोलन करेगा। हम एसपी ऑफिस का घेराव करेंगे और दोषी अधिकारियों के निलंबन की मांग करेंगे। पुलिस प्रशासन अभी भी सिर्फ अज्ञात बदमाश कहकर मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है।

पीड़ित परिवारों के अनुसार पुलिस ने अब तक घटना स्थल का सही से निरीक्षण तक नहीं किया। बस्ती में गश्त लगाने का वादा भी सिर्फ कागजों तक ही सिमट कर रह गया है।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर सवाल

सबसे हैरानी की बात ये है कि इतनी बड़ी वारदात के बाद अब तक कोई भी विधायक, सांसद या जनप्रतिनिधि बस्ती में नहीं पहुंचा। न कोई अफसर और न ही कोई पंचायत प्रतिनिधि। सवाल उठता है कि आखिर आदिवासी बस्तियों में इंसाफ की आवाज कब सुनी जाएगी?

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पीताम्बरा शक्तिपीठ पहुँचकर पीताम्बरा माई के किए दर्शन

टेलीमेडिसिन जैसी आधुनिक तकनीक को जिले के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो और उपस्वास्थ्य केन्द्रों में किया जाएगा प्रारम्भ - श्री शुक्ल

दतिया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा ने आज दतिया में अल्प प्रवास पर रहते हुए पीताम्बरा शक्तिपीठ पर पूजा अर्चना की और पीताम्बरा माई का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत उन्होंने वन खण्डेशवर बाबा का जलाभिषेक किया और सभी के कल्याण और सुखमय जीवन की कामना की। श्री शुक्ल सुबह 4.10 बजे दतिया स्टेशन पहुचें जहाँ प्रशानिक अमले एवं कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीयत स्वागत किया। इसके बाद 7 बजे उन्होंने पीताम्बरा शक्तिपीठ पहुंचकर पूजा अर्चना की। अल्प प्रवास पर रहते हुए उन्होंने जिले के प्रशासनिक अमले और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की। श्री शुक्ल ने अधिकारियों से टेलीमेडिसिन जैसी आधुनिक तकनीक जिले के कितने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो में प्रारंभ की गई है की जानकारी प्राप्त की और साथ ही इस आधुनिक तकनीक का ज्यादा से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल के विशेषज्ञों के माध्यम से क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओ को मुहैया कराने के लिए प्रयासरत है। श्री शुक्ल ने कहा की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सरकार द्वारा लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ,उप स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आरोग्य मंदिर के भवनों के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की जा रही है। टेलीमेडिसिन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञों के द्वारा ऑनलाइन चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। टेलीमेडिसिन जैसी आधुनिक तकनीक से मरीज को अस्पताल के बार बार चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और उनका इसपर होने वाला खर्चा भी कम होगा। समय पर मरीजों को विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए विशेषज्ञों से सलाह प्राप्त हो सकेगी और उनकी काउंसलिंग की जा सकेगी।अक्टूबर के महीने तक डॉक्टर्स की नई भर्ती सुनिश्चित की जाएगी जिससे मानव संसाधन और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी न रहे। इसके लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन ने उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल को जिला चिकित्सालय में महिला सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए लगाए गए पिंक अलार्म जैसे नवाचार के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के अंतर्गत पीताम्बरा शक्ति पीठ परिसर और उससे जुड़े क्षेत्र के कायाकल्प के लिए स्वीकृत 44.24 करोड़ की राशि की स्वीकृति के बारे में बताया। इसके साथ ही उन्होंने नव निर्मित दतिया एयरपोर्ट की जानकारी भी साझा की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री रघुवीर कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके बाद श्री शुक्ल ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में आयोजित होने वाली साधारण सभा में सम्मिलित होने के लिए रवाना हुए।

पत्नी को पढ़ाकर जज बनाया, जज पति ने पत्नी को दिया तलाक

शिवपुरी में जज पति-पत्नी पर आरोप, दो बच्चों के साथ पत्नी गायब

फोटो, 19 शिव.7

शिवपुरी ब्यूरो। जिले में एक अजीब मामला सामने आया है जिसमें दो अलग-अलग परिवारों के बिखरने की वजह एक ही सिविल जज को बताया जा रहा है। एक तरफ आशीष पाल, जिसने अपनी पत्नी को पढ़ाकर जज बनाने का सपना देखा, लेकिन उसी सपने ने उसका घर तोड़ दिया। दूसरी ओर गंगा शाक्य, जिनके जज पति ने उन्हें कानूनी झांसे में लेकर तलाक दिलाया और अब एक नई जिंदगी शुरू कर दी। आशीष पाल और गंगा शाक्य नामक दो नागरिकों ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता कर एक सिविल जज और एक महिला जज पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। दोनों ने आरोप लगाया है कि इस रिश्ते के कारण उनके वैवाहिक जीवन बर्बाद हो गए। राघवेंद्र नगर निवासी आशीष पाल उम्र 43 वर्ष ने बताया कि उसने साल 2006 में इंदौर की युवती से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद उसने पत्नी को बीए, बीएड, एलएलबी और पीजीडीसीए जैसी डिग्रियां दिलाई और उसे सिविल जज बनाने का सपना देखा। इसी तैयारी के दौरान पत्नी की एक कोचिंग में एक युवक से मुलाकात हुई, जो खुद भी सिविल जज की तैयारी कर रहा था और बाद में चयनित हो गया। आशीष के अनुसार उसकी पत्नी लगातार उस युवक के संपर्क में बनी रही और कई बार संदेह होने पर भी उसने विश्वास दिलाया कि वह सिर्फ पढ़ाई का मार्गदर्शन ले रही है। लेकिन 16 अप्रैल को उसकी पत्नी अचानक दोनों बच्चों सहित घर से गायब हो गई और साथ में करीब 50 ग्राम सोने के गहने भी ले गई। आशीष ने देहात थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है और संदेह जताया है कि उसकी पत्नी को वही युवक बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया है। जवाहर कॉलोनी की रहने वाली गंगा शाक्य उम्र 35 वर्ष ने प्रेसवार्ता में बताया कि उन्होंने 2011 में प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद उनके पति ने पढ़ाई पूरी कर 2019 में जज बनकर पदस्थापना पाई। पोस्टिंग के बाद उनके स्वभाव में बदलाव आ गया और वह मारपीट करने लगे।

तलाक के लिए गढ़ी अफीम की कहानी

गंगा के अनुसार जून 2024 में उसके पति ने अफीम के कारोबार में नुकसान होने का बहाना बनाकर उससे कहा कि कानूनी सुरक्षा के लिए तलाक जरूरी है। उसने भरोसा दिलाया कि यह केवल कागजी तलाक होगा और सब कुछ गोपनीय रहेगा। गंगा ने सहमति से तलाक की अर्जी दाखिल की और 22 जनवरी 2025 को उनका तलाक हो गया। हालांकि, बाद में उसे पता चला कि उसका पति उसी युवती के साथ रहने लगा है जो अब पहले आशीष पाल की पत्नी थी। गंगा ने जब आशीष से संपर्क किया, तो पूरी सच्चाई सामने आई। अब गंगा ने ग्वालियर हाईकोर्ट में तलाक के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दाखिल की है और इस पूरे षड्यंत्र की न्यायिक जांच की मांग की है।

संयुक्त प्रेसवार्ता में की न्याय की मांग

प्रेस वार्ता में दोनों पीड़ितों ने कहा कि कानून जानने वाले और कानून बनाने वालों ने ही कानून का दुरुपयोग कर उनके जीवन बर्बाद किए हैं। आशीष ने कहा कि मैंने पत्नी को जज बनाने का सपना देखा था, लेकिन एक जज ने मेरा ही घर तोड़ दिया। गंगा बोलीं कि मेरे विश्वास को तोड़कर मुझे कानूनी जाल में फंसा दिया गया और अब मेरा अधिकार छीनने की कोशिश हो रही है।

अब जिले में झोलाछाप डॉक्टरों की होगी धरपकड़, बने जांच दल

शिवपुरी ब्यूरो। अवैध क्लीनिक में नवजात शिशु की मौत के बाद सक्रिय प्रशासन ने शिवपुरी जिले में झोलाछाप डॉक्टरों की धरपकड़ के लिए जांच दल नियुक्त किए हैं। यह जांच दल दस्तावेजों का निरीक्षण करेगा और देखेगा कि डॉक्टर के पास प्रेक्टिस करने के उपयुक्त वैधानिक कागजात हैं या नहीं। शिवपुरी शहर में जांच दल में नायब तहसीलदार अजय कुमार पडसेडिया, टीआई कृपाल सिंह राठौड, सीएमएचओ डॉ. संजय ऋषिश्वर और डॉक्टर सुनील कुमार खण्डोलिया तथा औषधि निरीक्षक मनीष मसीह और श्रीमती तनु गुप्ता शामिल किए गए हैं वहीं शिवपुरी ग्रामीण में तहसीलदार अनिल धाकड़, नगर निरीक्षण सतनवाड़ा सुनील राजपूत, सीएमएचओ डॉ. संजय ऋषिश्वर, डॉ. सुनील कुमार खण्डोलिया तथा औषधि निरीक्षक शामिल किए गए हैं। इसी तरह बदरवास, पोहरी, बैराड़, नरवर, मगरौनी, करई करैरा, दिनारा, सिरसौद, पिछोर, भौंती, खनियांधाना और बामौरकला में भी जांच दल नियुक्त किए गए हैं। जांच दलों को 15 दिवस के भीतर कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। जिससे जिला झोलाछाप डॉक्टरों के अवैध इलाज से मुक्त हो सके। उक्त आदेश कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी और पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड ने जारी किया है।

सप्तम पोषण आहार पखवाड़ा संपन्न

धौलपुर ब्यूरो। कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी राजाखेड़ा में सप्तम पोषण पखवाड़ा के तहत ब्लाक स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता धीरेंद्र सिंह उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती मां के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया उपनिदेशक महोदय ने बताया कि सामाजिक एवं व्यावहारिक परिवर्तन संचार द्वारा पोषण लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सप्तम पोषण पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत समुदाय की भागीदारी बढ़ाने हेतु स्थानीय जागरूकता कार्यक्रम, गतिविधियों के प्रचार प्रसार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से कुपोषित बच्चों की पहचान आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। सभी गतिविधियों की जन आंदोलन डैशबोर्ड पर प्रविष्टि करनी है तथा आंगनवाड़ी कार्मिकों द्वारा गृह संपर्क के दौरान असरदार परामर्श हेतु ब्रह्म॥श्वक्र तकनीक का उपयोग करना है। कार्यक्रम में पोषाहार से निर्मित व्यंजन प्रदर्शनी एवं सप्तम पोषण पखवाड़े की थीम के अनुसार चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

व्यंजन प्रदर्शनी में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अर्चना शर्मा प्रथम दुर्गेश राणा द्वितीय तथा लक्ष्मी देवी तृतीय स्थान पर रही । इसी प्रकार चित्रकला प्रतियोगिता में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीतू शर्मा प्रथम नीतू द्वितीय एवं सुनीता शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। उपनिदेशक महोदय द्वारा विजेता आंगनबाड़ी कार्मिकों को शील्ड एवं पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी राजाखेडा अविनेश कुमार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्भूपेंद्र सिंह कनिष्ठ सहायक, रश्मि शर्मा, महिला पर्यवेक्षक माया देवी श्रीमती ममता त्यागी शशिलेष , ब्लॉक कोऑर्डिनेटर रविंद्र एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल संगीतकार स्व. शिवम गोस्वामी को श्रद्धांजलि देने उनके निवास पहुँचे

दतिया। मप्र शासन के उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल शुक्रवार को राजगढ़ मार्ग स्थित स्व. शिवम गोस्वामी के निवास पर पहुँचे। कुछ समय पूर्व सड़क दुर्घटना में हुए इस युवा संगीतकार के असमय निधन पर उन्होंने गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शिवम के परिवार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि सरकार दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है और जरूरत के समय हर प्रकार का सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए परिवार को मजबूत रहने की प्रेरणा दी। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल दुर्घटना में घायल हुए अदित्य तिवारी उर्फ मोनू के निवास पहुँचे और उनका हालचाल जाना। उन्होंने मोनू के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सबलगढ़ में कहीं स्कूल बंद तो कहीं एक भी छात्र नहीं

कौन खा रहा है मध्यान्ह भोजन

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। सबलगढ़ के स्कूलों में लापरवाही व्याप्त है।किसी स्कूल में एक भी छात्र नहीं है तो किसी मे शिक्षक नदारद।आखिर कौन खा रहा है मध्यान्ह भोजन।इस बात का खुलासा शनिवार को बीआरसीसी मानिकचंद धाकड़ द्वारा किये गए निरीक्षण में हुआ।उन्होंने बताया है कि प्रावि डबेरा में तीन शिक्षक में से दो मौजूद थे जबकि शिक्षिका मंजू शर्मा अनुपस्थित मिली।इतना ही नहीं प्रधान अध्यापक जीवनलाल प्रजापति द्वारा शिक्षिका पर मेहरबानी करते हुए हाजिरी रजिस्टर में हस्ताक्षर के लिए स्थान खाली छोड़ा गया था।प्रावि कीरतपुर में स्कूल प्रांगण में शादी समारोह की गंदगी पसरी हुई थी।सरकारी फरमान की धज्जियांउड़ाते हुए प्रधान अध्यापक द्वारा स्कूल में बरात ठहराई गई थी।प्रधान अध्यापक देवेंद्र शर्मा शिक्षिका सृष्टि गोहदिया गैरहाजिर मिले वही अनिल खरे हस्ताक्षर कर नदारद मिले।

मावि रामपहाड़ी स्टाफ उपस्थित मिला किन्तु 289 छात्रों में से एक भी उपस्थित नहीं मिला।मध्यान्ह भोजन की ठीक से जानकारी नहीं दी गई यानीकि सब गोलमाल।प्रावि रानीपुरा बन्द मिला।शिक्षिका अंजू पचोरिया व सुनीता गोयल गैरहाजिर मिली। उक्त सभी शिक्षकों को नोटिस दिए गए हैं।

पोषण पखवाड़े में प्रदर्शित किए व्यंजन

झुण्डपुरा। एकीकृत परियोजना महिला बाल विकास विभाग सबलगढ़ द्वारा गर्भवती धात्री महिलाओं तथा बच्चों को सही और संतुलित आहार प्रदान करने के लिए 8 अप्रैल से 22 अप्रैल 2025 तक चलने वाले पोषण पखवाड़ा अंर्तगत एकीकृत महिला बाल विकास परियोजना सबलगढ़ के परियोजना अधिकारी के एस बघेल समन्वयक धर्मेन्द्र धाकड़ निर्देशक तथा सेक्टर सुपरवाइजर भगवती शर्मा के मार्गदर्शन में सेक्टर झुण्डपुरा के आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओ ने अपने अपने केन्द्रों पर जीवन चक्र के 1000 दिवस थीम पर पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमे टी एच आर से बनाये गए विभिन्न व्यंजन जैसे thr की पूड़ी, बिस्किट, मालपुए, मठरी,सकल्पारे,चीले,बर्फी,लड्डू इत्यादि ,स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध होने वाले अनाज,सब्जियां एवं फल शामिल किये गए। इस अवसर पर ज्योति शर्मा ने महिलाओं को बताया कि बच्चों सहित गर्भवती धात्री महिलाओं को पोषण पर विशेष ध्यान देना चाहिए गर्भावस्था का पता चलते ही स्वास्थ्य केंद्र जाकर पंजीकरण कराना चाहिए। समय समय पर जांच करायें। गर्भावस्था में उचित पोषण आहार और आयरन कैल्शियम की गोली ले साथ ही ताजी हरी सब्जियां दूध ले। इससे गर्भ में पल रहा बच्चा स्वस्थ रहेगा।इस कार्यक्रम में वार्ड की महिलाएं, बच्चे, आगनवाड़ी कार्यकर्ताएं, सहायिकाये एवम पर्यवेक्षक श्रीमती भगवती शर्मा, राजकुमारी जगा ज्योति शर्मा रुबी वर्मा गोपाली मीणा अर्चना शर्मा रामवती रावत ममता जाटव माया कुशवाहा सपना जगा जया शर्मा सहित सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका तथा गर्भवती धात्री महिलाएं बच्चों सहित उपस्थित रही।

टीएचआर से बाबड़ीपुरा में बनाई मिठाई व पकवान

(चम्बलसुर्खी संवाददाता)

सबलगढ़। दिनाँक 8 अप्रैल से 22 अप्रैल 2025 तक चलने वाले पोषण पखवाड़ा अंर्तगत शनिवार को ग्राम बाबड़ीपुरा में जीवन चक्र के 1000 दिवस थीम पर पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमे टी एच आर यानीकि हर मंगलवार को गर्भवती व धात्री महिलाओं को दिए जाने वाले राशन के पैकेट से बनाये गए विभिन्न व्यंजन जैसे पूड़ी, बिस्किट, मालपुए, मठरी,सकल्पारे,चीले,बर्फी,लड्डू इत्यादि ,स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध होने वाले अनाज,सब्जियां एवं फल शामिल किये गए।इस कार्यक्रम में वार्ड की महिलाएं, बच्चे, आगनवाड़ी कार्यकर्ताएं, सहायिकाये एवम पर्यवेक्षक श्रीमती मधु डंडोतिया उपस्थित रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को गति प्रदान करें- कलेक्टर

सभी नगरीय निकाय और जनपद प्रति सप्ताह कम से कम एक बड़ा आयोजन करें, अगले तीन दिनों में नए 15 अमृत सरोवर के कार्य शुरू करें, कलेक्टर ने की जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

सतना। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने शनिवार को जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर 30 मार्च से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अब तक किए गए कार्यों एवं वृक्षारोपण की कार्य योजना एवं तैयारी की विभागवार समीक्षा की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, एसडीएम आरएन खरे, राहुल सिलाडिया, सुधीर बेक, एलआर जांगडे, कार्यपालन यंत्री आरईएस सीएल साकेत, पीएचई डीएल कनेल, एनवीडीए अजय सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी टीपी सिंह, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद डॉ. राजेश तिवारी, जनपद के सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ एवं संबंधित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि 30 मार्च से 30 जून तक प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। सभी संबंधित अधिकारी अपने विभाग को सौंप गए दायित्व और कार्य योजना के अनुसार अभियान के कार्यों में तेजी लाकर उन्हें मूर्तरूप देवें। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कार्यों में जन प्रतिनिधि पंचायत और नगरीय निकाय के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि, मीडिया, आमजन तथा सभी विभागों की सहभागिता सुनिश्चित कराये। अभियान में अभी 10 सप्ताह का समय शेष है। सभी नगरीय निकाय तथा जनपद प्रति सप्ताह कम से कम एक बड़ा कार्यक्रम अपने क्षेत्र में करायें और जन सहभागिता जोड़े। अभियान के कार्यों का प्रचार-प्रसार भी सोशल मीडिया, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर करें। कलेक्टर ने कहा कि सीईओ जनपद और एसडीएम अपने क्षेत्र में आगामी बरसात में किए जाने वाले पौधरोपण के लिए फेनसिंग या बाउंड्री वाले शासकीय भूमि के पैच सुरक्षित कर लें। इसके अलावा नर्सरियों में पौधों की तैयारी भी कराये। वृक्षारोपण के लिए वही साइट चिन्हित करें जहां पौधों की सुरक्षा के लिए बाड फेनसिंग या क्लोज कैंपस की बाउंड्री और पौधों की सिंचाई के लिए जल की उपलब्धता रहे। उन्होंने विभागवार जल गंगा संवर्धन अभियान में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी लेते हुए वृक्षारोपण के लक्ष्य की जानकारी ली। जन अभियान परिषद नवांकुर संस्थाओं और जलदूतों का कार्यों में सहयोग लें। सतना जिले में 6 प्रमुख नदियां मंदाकिनी, टमस, सतना, सेमरावल, बरुआ, अमरन, के आसपास के अतिक्रमण हटाए और उनके जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन का कार्य शामिल करें। इसके साथ ही सभी पूर्व के निर्मित 113 अमृत सरोवर को यथा स्थिति राजस्व अथवा वन विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज करायें। इस साल स्वीकृत होने वाले नए 15 अमृत सरोवर की तकनीकी स्वीकृति जारी कर स्वीकृति उपरांत मंगलवार तक मस्टर जारी कराये। कलेक्टर ने कहा कि सभी जनपदों में 2-2 पंचायत में 2-2 हेक्टेयर जमीन का चयन करें। इन 10 बड़ी साइट्स में सुरक्षित रूप से पौधरोपण किया जाए। पेयजल की स्थिति की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि ऐसे जल स्त्रोत जो वाटर लेवल गिरने से बंद हो जाते हैं। उन्हें रिचार्ज करने के कार्य शामिल करें। सीईओ जिला पंचायत संजना जैन ने बताया कि अभियान में पूर्व के कार्यों में 72 रिचार्ज पिट, दो तालाबों, 32 कुओं, 13 पर लोकेशन रैंक का निर्माण पूरा कर लिया है। चालू अभियान में 113 कुओं, 247 रिचार्ज पिट, 39 तालाबों के कार्य और प्रत्येक पंचायत में 2 के मान से 900 डग बेल रिचार्ज के कार्य प्रारंभ किए गए हैं। प्रत्येक पंचायत में एक के मान से 450 खेत, तालाब प्रारंभ किए गए हैं। पूर्व के 338 खेत तालाबों का निर्माण जारी है। जिसे 15 मई तक पूरा कर लिया जाएगा। एक नदी पुर्नजीवन और 9 अमृत सरोवरों का कार्य भी जारी है। सतना जिले के 882 नलकूप जिनमें ग्रीष्मकाल में पानी नहीं मिलता इनमें रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं। जिले में 5 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से नदी क्षेत्र में स्टाप डैम, चैक डैम, लूज बोल्डर, गैबियन, भूमिगत डाइक और कंटूर जैसे कार्य भी लिए जा रहे हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की कृषि सखियों के माध्यम से दिनांक 20 जून तक 1 लाख सीड बॉल बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिन्हें 20 जून के उपरांत पौधरोपण के रूप में लाया जाएगा। ग्राम स्तर पर विभिन्न पौधों के बीच एकत्रीकरण का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में बल्क प्लांटेशन (एक साथ पौधरोपण) किये जाने हेतु 586 स्थानों का चिन्हांकन किया गया है। सतना जिले में खनिज विकास मद की राशि से प्रत्येक जनपद की 5 ग्राम पंचायतों में एक्रीफर रिचार्ज अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें रिचार्ज शाफ्ट बनाए जा रहे हैं। माय भारत पोर्टल पर 3149 जलदूतों का रजिस्ट्रेशन किया गया है।

सड़क हादसों में घायलो की उपचार के दौरान मौत

मुरैना,कांस। अलग-अलग सड़क हादसो में दो लोगो की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बागचीनी थाना क्षेत्र के इस्लामपुरा में निवास करने वाले सफीक पुत्र सौकत खॉन उम्र 35 साल शाहिद की दुकान के सामने एमएस रोड के पास जा रहा था कि उसी समय वाहन क्रमांक यूपी 80 एफबी 4073 के चालक ने वाहन को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था जहॉ उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। इसी प्रकार पहाडगढ थाना क्षेत्र में सडक हादसे में घायल हुए ठाकुरलाल पुत्र प्रहलाद कुशवाह को उपचार के लिए जयारोग्य चिकित्सालय ग्वालियर में भर्ती कराया गया था जहॉ उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने वाहन चालको के खिलाफमामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

मारपीट कर जातिय अपमान किया

मुरैना,कांस। पोरसा थाना पुलिस ने मारपीट कर जातिय अपमान करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के लालपुरा नगरा निवासी मुनेन्द्र पुत्र रामदास सखवार पोरसा अस्पताल के पास था कि उसी समय पुरानी रंजिश के चलते आरोपी मुनेन्द्र उर्फ मुक्के तोमर, महेन्द्र तोमर, आनंद तोमर निवासी ज्ञानचन्द धर्मशाला के पीछे पोरसा ने फरियादी को जाति सूचक गालिया देते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। थाना पुलिस ने पीडित की रिपोर्ट पर से आरोपियो के खिलाफ आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

जिला प्रशासन की पहल पर 7 मजदूरों को हुआ मजदूरी का भुगतान

सतना। सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग ने बताया कि जिला प्रशासन मैहर को जिला कांकेर (छत्तीसगढ़) कलेक्टर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि मैहर जिला अंतर्गत दुर्गा बोरवेल्स में ग्राम बेलोण्डी आमा बेडा तहसील अंतागढ़ जिला कांकेर के 7 श्रमिक कार्यरत है। जिनकी मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। प्रभारी श्रम पदाधिकारी मैहर द्वारा 7 श्रमिकों में से 1 श्रमिक अर्जुन राम नेताम से दूरभाष पर संपर्क कर जानकारी ली गई। जानकारी के अनुसार समस्त 7 श्रमिक तहसील रामपुर बाघेलान अंतर्गत ग्राम चोरमारी के निकट दुर्गा बोरवेल्स में बोरिंग के कार्य में संलग्न थे।

प्रभारी श्रम पदाधिकारी मैहर द्वारा प्रभारी सहायक श्रमायुक्त सतना को सूचना से अवगत कराया गया। कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस एवं कलेक्टर मैहर रानी बाटड के मार्गदर्शन में दोनों जिले के श्रम विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रामपुर बाघेलान को अवगत कराते हुए ग्राम चोरमारी पहुंचकर छत्तीसगढ़ के 7 श्रमिकों के प्रकरण दर्ज किये गये। इसके बाद छत्तीसगढ निवासी सभी 7 श्रमिकों में अर्जुन रामनेताम, चेतन कुमार, सनेश कुमार, राजेन्द्र कुमार, सन्दीप कुमार, बजरंग नेताम एवं श्यामलाल को तहसील कार्यालय रामपुर बाघेलान लाया गया। तहसील कार्यालय में ही बोरवेल के संचालक ब्रजेश पटेल को भी सभी दस्तावेजों के साथ बुलाया गया। सभी श्रमिकों की बकाया मजदूरी की गणना कर 2 लाख 80 हजार रूपये का तत्काल भुगतान श्रमिकों को कराया गया। सभी श्रमिकों को रात्रि 10:30 बजे श्रम विभाग के संयुक्त दल द्वारा सतना लाकर भोजन कराने के उपरान्त 17 अप्रैल को रीवा-बिलासपुर ट्रेन से उनके गृह ग्राम सुरक्षित भेजा गया। इस कार्यवाही में श्रम विभाग के अधिकारियों के संयुक्त दल में अनुराग प्रताप सिंह, प्र. सहायक श्रमायुक्त नरेश पटेल, प्र. श्रम पदाधिकारी मैहर पुष्पेन्द्र धुर्वे, श्रम निरीक्षक एवं मनोज कुमार यादव तथा जिला नोडल अधिकारी शामिल रहे।

नरवाई प्रबंधन के तहत ग्राम पंचायत झिन्ना में कृषक संगोष्ठी का आयोजन

सतना। नरवाई प्रबंधन के तहत ग्राम पंचायत झिन्ना में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कृषकों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी एवं अर्थदंड से जुड़ी जानकारी दी गई। नरवाई से भूसा बनाने, ग्रीष्मकालीन मूंग उड़द की बोनी, स्प्रिंकलर, ड्रिप सिंचाई पाइप लाईन के तथा सुपर सीडर, हैप्पी सीडर के ऑनलाइन आवेदन के बारे में भी किसानों को जानकारी दी गई।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल सांसद श्री तोमर के पुत्र के विवाह समारोह में हुए शामिल

उप मुख्यमंत्री ने दिया आशीर्वाद

मुरैना,कांस। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल शनिवार को एक दिवसीय प्रवास पर मुरैना जिले के बड़ागांव-नावली पहुंचे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल मुरैना-श्योपुर के सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर के पुत्र डॉ. सौरव के विवाह समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. सौरव को आशीर्वाद प्रदान किया।

जल गंगा अभियान को मिल रहा ग्रामीणों का समर्थन

जन अभियान परिषद की टीम जल परिचर्चा में कर रही जल संवाद

सतना। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आह्वान और कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद जिला सतना द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी तारतम्य में जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी के निर्देशन और विकासखंड मझगवां विजयेन्द्र जड़िया के संयोजन में सेक्टर बिरसिंहपुर अंतर्गत नवांकुर संस्था मानव समाज विकास मंडल द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गैवीनाथ सरोवर बिरसिंहपुर में, श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रमदान कार्यक्रम के तहत उपस्थित समाजसेवी और स्थानीय जन द्वारा सरोवर के किनारे घाटों की सफाई की गई। सामूहिक श्रमदान के माध्यम से सभी श्रमदानियों ने मंदिर परिसर पर उपलब्ध श्रद्धालुओं सहित नगरवासियों को जल के संरक्षण और संवर्धन के साथ साथ जल श्रोतों के पुनर्जीवन का संदेश दिया। जल परिचर्चा के माध्यम से जिला समन्वयक डॉ राजेश तिवारी ने बताया कि 30 मार्च से 30 जून तक चलने वाला यह अभियान हमे जल संरक्षण व संवर्धन के प्रति अपने जिम्मेदारियों और कर्तव्य का बोध कराता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्पों का यह अभियान गांव-गांव पहुंचकर संपूर्ण मध्यप्रदेश में जन जागरण कर रहा है और लोगों को उनकी प्राचीन जल संस्कृति से जोड़कर गांव का पानी गांव में रोकने हेतु संकल्पित करा रहा है। जल परिचर्चा के उपरांत सभी को जल संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर भूतपूर्व नगर अध्यक्ष धनीराम प्रजापति एवं ईप्सा फाउंडेशन के अध्यक्ष आशीष कुमार सेन द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर सारगर्भित उद्बोधन दिया गया। आयोजन में मुख्य रूप से जलदूत रामकृष्ण नामदेव, संजू मिश्रा परामर्शदाता विनीता मुकुल, छात्र मोहित तिवारी, भास्कर पयासी, बिरसिंहपुर मंडल अध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी, न्यास अध्यक्ष पंकज श्रीमाली, न्यास महामंत्री महेंद्र श्रीमाली, मंडल महामंत्री विनीत केसरवानी, न्यास पार्षद संतोष माली, बूथ अध्यक्ष बाबूलाल चौधरी, प्रस्फुटन समिति वार्ड क्रमांक 11 अध्यक्ष स्मिता दाहिया, प्रस्फुटन समिति वार्ड क्रमांक 13 अध्यक्ष शांति पांडे, स्वयंसेवक दुर्गेश विश्वकर्मा, सेवादार सोनू श्रीमाली, बृजेंद्र सिंह, उमेश, भागवत, विवेक, प्रीतमलाल, लक्ष्मण विजय, अनिल कुमार, अरुण कुमार, मीरा, रोहित, कृपाल, छंगा, राहुल स्नेहा, आदित्य प्रसाद आदि आदि प्रबुद्ध जन व जनमानस उपस्थित रहे। जल परिचर्चा का संचालन समाजसेवी रामकृष्ण नामदेव द्वारा किया गया।

रेल प्रशासन संरक्षित रेल संचालन हेतु अपने रनिंग कर्मियों को बेहतर सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं देने को संकल्पबद्ध

झांसी। लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट रेलवे का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं एवं ट्रेन सञ्चालन में लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट की अहम् भूमिका होती है। झांसी मंडल एक महत्वपूर्ण मंडल है जो पूरब को पश्चिम और उत्तर को दक्षिण से जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाता है। रेलवे भारत की जीवन रेखा है एवं लोको पायलट भारतीय रेलवे की धुरी है। उनकी सुविधाओं में बढ़ोतरी हेतु रेलवे द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे है। झांसी मंडल के रनिंग रूम में इनके विश्राम हेतु सभी सुविधाओं को प्रदान की गयीं है, जिससे वे गुणवत्ता पूर्ण विश्राम ले सके तथा ताज़ा होकर अपने अगली पाली में संरक्षपूर्ण रेल सञ्चालन कर सकें । रनिंग रूम के कमरों में,ष्ट के साथ ही गीजर आदि की व्यवस्था की गई है। उनके मानसिक आराम हेतु मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराए गए है, जिसमें व्यायाम कक्ष के साथ विभिन्न प्रकार के मनोरंजन उपकरण आदि रनिंग रूम में उपलब्ध है। इसके साथ ही किचन में सब्सिडाइज दरों पर खाना भी उपलब्ध होता है। इसके अतिरिक्त रनिंग रूम में योग, क्वालिटी रेस्ट हेतु आरामदायक वातानुकूलित कक्ष, संलग्न शौचालय, महिला कर्मी हेतु अलग कक्ष, नियमित परिवार संरक्षा संगोष्ठी, नियमित स्वास्थ्य शिविर आदि आयोजित कराये जाते हैं। अवगत कराया जाता है की रेल परिचालन में संरक्षा सर्वोपरि होती है और इसके लिए लोको पायलटों को निरंतर ट्रेनिंग एवं रिफ्रेशर कोर्स कराए जाते है। साथ ही उनको स्ट्रेस प्रबंधन के गुर सिखाने के साथ ही उनके परिवारों से भी वार्ता कर उनके कार्यों एवं कार्य प्रणाली के विषय में न्यूनतम जानकारी प्रदान की जाती है। रेलवे प्रशासन लोको पायलट के महत्व को समझते हुए उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए कृतसंकल्पित है।

बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु आवेदन 15 मई तक

सतना। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रम वर्ष 2025-26 मे जिले के बेरोजगार युवक/युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रभारी प्रबंधक, म.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड सत्यसागर ने बताया कि बोर्ड द्वारा रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण से संबंधित विस्तृत विवरण एवं आवेदन पत्र हेतु पोर्टल 7 अप्रैल से 15 मई 2025 तक खुला रहेगा। 15 मई 2025 के पूर्व कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन बोर्ड की विभागीय वेबसाईट http:/mpgramogyogglobal.gov.in के माध्यम से बेवसाइट http://crisponlineservies.com/services/khadi/user_ragistration_khadi.asp& पर उपलब्ध है।

उमेश पाठक के पिताजी प्रभूदयाल पाठक जी का निधन

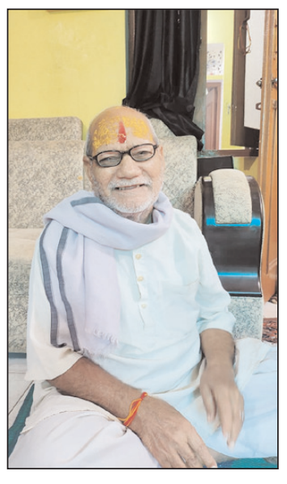

मुरैना,कांस। पाठक वाली गली गोपालपुरा में निवास करने वाले से.नि.प्र.अ. उमेश पाठक के पिता जी स्व. श्री प्रभूदयाल पाठक (सेवा निवृत्त बाबू जनसम्पर्क विभाग मुरैना) का 86 वर्ष की आयु में विगत दिवस निधन हो गया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड गए है। वे कुछ समय से अस्वस्थ्य चल रहे थे, तथा घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे थे। उन्होने 86 साल की सांसारिक यात्रा पूर्ण कर प्रभू के चरणो में 17 अप्रेल गुरूवार 2025 को लीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार बडोखर मुक्तिधाम पर किया गया जिसमें सैकडो ने शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने नागरिक और जन प्रतिनिधि जुड़ें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में चल रहे तीन माह अवधि के जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण और उनकी देखरेख के कार्यों में नागरिकों की भागीदारी और जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेकर अच्छे परिणाम सामने लाएं। शासन स्तर पर अभियान की निरंतर समीक्षा की जा रही है और डैश बोर्ड पर ग्राम एवं नगर स्तर के कार्यों को दर्ज करने का कार्य भी किया जा रहा है। श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिलों को पुरस्कृत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में अभियान की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 1.06 लाख जल दूत तैयार किए गए हैं, जो जल स्त्रोतों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 30 मार्च से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक चलना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिलों में देखेंगे कार्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, वन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास विभागों सहित मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के स्तर पर अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त कर निर्देश दिए। जिला कलेक्टर्स भी बैठक से वर्चुअल रूप से जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्य देखने विभिन्न जिलों में जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में स्थापत्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण जल संरचनाओं की सूची तैयार की जाए। पुरातत्व और पर्यटन महत्व की ऐसी धरोहर को सहेजने की दृष्टि से संरक्षण गतिविधियों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि भोपाल के साथ ही जबलपुर, सागर, उज्जैन नगरों में अनेक प्राचीन बावड़ियां विद्यमान हैं, वहां स्वच्छता के कार्य संचालित किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विभागवार अभियान के कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

संस्कृति और शिक्षा विभाग पर्व त्योहारों पर करें आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को जलस्त्रोतों और जल संरक्षण के महत्व की जानकारी प्रार्थना सभाओं के अवसर पर दी जाए। शिक्षा विभाग संस्कृति विभाग के साथ मिलकर विभिन्न पर्व और त्योहारों पर पानी के महत्व पर निबंध और भाषण स्पर्धाएं आयोजित करे। गंगा दशहरा और आखातीज जैसे अवसरों पर ऐसे कार्यक्रम किए जाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर के पुत्र डॉ. सौरव के विवाह समारोह में हुए शामिल

डॉ. सौरव को भगवान सीता-राम की तस्वीर भेंटकर, आशीर्वाद दिया

मुरैना,कासं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को सुबह अल्प प्रवास पर मुरैना जिले के ग्राम बड़ागांव-नावली पहुंचे। डॉ. यादव मुरैना-श्योपुर के सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर के पुत्र डॉ. सौरव तोमर के विवाह समारोह में उपस्थित हुये। उन्होंने वर डॉ. सौरव तोमर को भगवान सीता-राम की तस्वीर भेंटकर आशीर्वाद दिया। वहीं आगुन्तक वधु को शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश के राजस्व मंत्री एवं मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना, सांसद ग्वालियर श्री भारत सिंह कुशवाह, सांसद दमोह श्री राहुल सिंह लोधी, विधायक सबलगढ़ श्रीमती सरला रावत, जिला पंचायत की अध्यक्षा श्रीमती आरती गुर्जर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी, पूर्व मंत्री श्री मुंशीलाल, पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंषाना, श्री राकेश मावई, श्री सूबेदार सिंह रजौधा, समाजसेवी श्री कमलेश कुशवाह, डॉ. योगेशपाल गुप्ता, श्री केदार सिंह यादव, चम्बल रेंज के आईजी श्री सुशांत सक्सेना, कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना, पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ, सीईओ जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक और पत्रकारगण उपस्थित थे।

हमारा संविधान सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय प्रदान करता है : राज्यपाल श्री पटेल

सिलवानी तहसील के प्रतापगढ़ में सम्पन्न संविधान गौरव सम्मान

भोपाल,ब्यूरो। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर और संविधान सभा के सभी महानुभावों का पुण्य स्मरण और नमन करते हुए कहा कि उनकी अद्भुत दूरदृष्टि तथा प्रयासों ने हमें एक ऐसा संविधान दिया है, जो सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय प्रदान करता है। इसके लिए हम सब उनके प्रति कृतज्ञ है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल रायसेन जिले की सिलवानी तहसील के ग्राम प्रतापगढ़ में संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो और स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आदिवासी, गरीब, अति पिछड़े वर्ग के उत्थान और उन्नति के लिए काम करने वाले नागरिकों को सम्मानित भी किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आदिवासी और अति पिछड़े समाज का उत्थान करने, उन्हें आगे लाने के लिए सभी को पूरी निष्ठा और लगन से

प्रयास करना होगा।

दूरस्थ क्षेत्रों में रह रहे जनजाति के लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी देकर विकास में उनकी मदद करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजाति, अति पिछड़े और वंचित वर्ग के कल्याण, विकास और उनकी आर्थिक उन्नति के लिए अनेकों योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जनमन योजना शुरू की है, जिसमें भारिया, सहरिया, बैगा वर्ग शामिल हैं। इन वर्गों की उन्नति और विकास के लिए नौ से अधिक विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ उनको दिया जा रहा है। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, पानी, स्वास्थ्य, पक्के आवास सहित अन्य सुविधाएं भी तेजी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गरीब महिलाएं कच्चे चूल्हे पर खाना बनाती थी, जिससे निकलने वाले धुएं से महिलाओं और परिवार के सदस्यों को गंभीर बीमारियां होती थी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन गरीब महिलाओं की चिंता करते हुए प्रधानमंत्री उज्जवला योजना शुरू कर निःशुल्क गैस चूल्हा कनेक्शन प्रदान किए हैं। इसी प्रकार आयुष्मान योजना के माध्यम से गरीबों को हर साल पांच लाख रूपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा मिली हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की मदद से गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य श्री प्रियंक कानूनगो ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विगत एक दशक से अधिक समय से देश को आगे ले जाने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहे हैं। यह संविधान की ही ताकत है कि आज भारत की राष्ट्रपति आदिवासी परिवार से आती है। वे शिक्षिका रही हैं। उन्होंने समुदाय की शिक्षा के माध्यम से सर्वांगीण विकास और उन्नयन के लिए काम किया है।

आज राष्ट्रपति पद को शुशोभित कर रही हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि प्रतापगढ़ वीर शंकर शाह, रघुनाथ शाह जी के वंशजों का क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए शिक्षित होना बेहद जरूरी है। सभी को शिक्षा का महत्व समझना होगा। शिक्षा के लिए काम करना होगा।

भागवत कथा में व्यास पीठ से महाराज रूपेश शास्त्री जी ने माखन चोरी की लीलाओं का वर्णन किया

मुरैना,कांस। पशुचिकित्सालय मुरैना में भक्तो ने पंचम दिवस में कान्हा की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए व्यास महाराज श्री रुपेन्द्र शास्त्री जी ने आज माखन चोरी लीलायों का बखान करते हुए ओर साथ साथ में सात कोस की परिक्रमा बरडन कराते हुए गिरिराज पर्वत को अपनी एकानी उंगली पर धारण करके समस्त बृजवासियों को इंद्र के कोप से बचा करके अपनी शरण में लिया और गोवर्धन महाराज को छप्पन भोग प्रसाद लगाया एवं जगतारेश्वर महादेव की बड़ी दिव्य और भव्य कथा भगवान जगतारेश्वर महादेव और बांके बिहारी कृपा से चल रही है तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष एवं शेवक रामनरेश डण्डोतिया ने श्रीनाथ की चित्र देकर भगवताचार्य एवं परीक्षित का स्वागत कर फिर उन्होंने शभी भक्तो को भरपूर आर्शीवाद दिया कथा में बहुत ही आनंद आ रहा है कथा में से जाने का मन नहीं करता एसे लगता है कि कथा बंद ही न हो स्वागत करने बाले भक्त रामनरेश डण्डोतिया,अशोक शर्मा,डा राकेश शर्मा,बीर सिंह यादव नीरज खेमरिया जी मुरारी लाल मावयी जी अन्य गणमान्य श्रोता शभी खूब संख्या में थे अभी 2 दिन कथा और चलेगी सभी भक्त जन कथा में आकर कथा काआनंद लें।

कृषि मंत्री श्री सिंह कंषाना ने नगर निगम के वार्ड क्रमांक 9 में 52.91 लाख रुपये की लागत से आरसीसी नाला निर्माण का किया भुमिपूजन

मुरैना,कांस। नगर निगम मुरैना के वार्ड क्र. 09 में एम.एस. रोड़ से कनेक्ट मॉ बेटी चौराहे से मुक्तिधाम होते हुए ऋषी गालब कॉलेज तक आर.सी.सी. नाला निर्माण का प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने शनिवार को भूमि पूजन किया। जिसकी लागत 52.91 लाख है। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम महापौर श्रीमती शारदा राजेन्द्र प्रसाद सोलंकी ने की। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 9 की पार्षद श्रीमती भारती रनछौर किरार, नगर निगम आयुक्त श्री सत्येन्द्र धाकरे, श्री कुन्ज बिहारी शर्मा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मोजूद थे। कृषि मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि नगर निगम के सभी वार्डों में विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं। सीवर से लेकर पेयजल, नाले, नालियां, खरंजा आदि कार्य कराये जा रहे हैं। इस प्रकार के विकास कार्य भी आगे चलते रहेंगे। डॉ. मोहन यादव की प्रदेश सरकार विकास में कोई कमी नहीं रहने देगी, यह मेरा विश्वास है।

उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भगवान शनिदेव के किये दर्शन

मुरैना,कासं। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्लशनिवार को मुरैना जिले के ऐंती पर्वत स्थित शनि मंदिर पहुंचे। इस अवसर परउन्होंने सुख-समृद्धि और शांति की प्राप्ति के लिए भगवान श्री शनिदेव के दर्शन किये और प्रार्थना की।उन्होंने भगवान शनिदेव पर तेल, तिली, गुड़ और उड़द से अभिषेक कियाएवं काली वस्तुओं का अर्पण किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील इगलास में सम्पूर्ण समाधान दिवस हुआ आयोजित

जिलास्तरीय अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश, 01 अप्रैल से पूर्व के पैमाइश एवं निर्विवाद विरासत के सभी प्रकरणों को 15 मई तक निस्तारित कराया जाए -डीएम, अधिकारी क्षेत्र में निकलकर जनता को दिलाएं न्याय- सासंद

अलीगढ,ब्यूरो। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में इगलास तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मा0 सांसद हाथरस श्री अनूप बाल्मीकि ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकतर शिकायतें व समस्याएं राजस्व से जुड़ी होती हैं। वर्तमान में गेहूं की फसल कट चुकी है, अधिकतर खेत खाली हैं। नाली, चकरोड, सार्वजनिक उपयोग को भूमि चिन्हांकन कर खाली करा लें। सांसद ने कहा की धारा-34 के मामलों में 35 से 45 दिनों के भीतर नामांतरण हो जाना चाहिए। तहसील में 46 वाद 3 से 5 वर्ष के मध्य लंबित चल रहे है। इसी प्रकार से धारा 24 मेडबंदी का कार्य तीन माह में हो जाना चाहिए। तहसील में 10 मामले 1 वर्ष से लंबे चल रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कि वह मेडबंदी प्रकरणों में फीस जमा कर दें। कुरा बंटवारे के लिए 6 माह का समय निर्धारित है, इसमें 11 प्रकरण 3 से 5 वर्ष के मध्य लंबित हैं। मा0 सांसद ने कहा कि अधिकारी जिले में काफी बेहतर ढंग से विभागीय दायित्वों को अंजाम दे रहे हैं। सभी अधिकारी क्षेत्र में निकलकर जनता को न्याय दिलाएं। जिलाधिकारी ने चिन्हित शिकायतों पर पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित करते हुए मौके पर जाकर उभयपक्षों को सुन गुण-दोष के आधार पर समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित कराने के एसडीएम को निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पैमाइश और बटवारों के मामलों में यदि कोई निर्णय हुआ है तो उसका अनुपालन राजस्व टीम के माध्यम से समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लेखपालों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों की पहचान कर 01 अप्रैल से पूर्व के पैमाइश एवं निर्विवाद विरासत के सभी प्रकरणों को 15 मई तक निस्तारित करा दिया जाए। एसएसपी संजीव सुमन ने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है, इसलिए सभी अधिकारी रूचि लेकर गुणवत्तायुक्त ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने थानाध्यक्षों से कहा कि थाना आए प्रत्येक व्यक्ति की बात को सुना जाए। इस दौरान विधायक इगलास श्री राजकुमार सहयोगी एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, सीएमओ डॉ0 नीरज त्यागी, डीडीओ आलोक आर्य, एसडीएम शाश्वत त्रिपुरारी सहित जिलास्तरीय अधिकारियों ने भी जनशिकायतों का निस्तारण कराया।

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

चिकित्सा महाविद्यालय की दसवीं सामान्य परिषद की बैठक आयोजित, मंत्रीगण श्री कुशवाह व श्री तोमर भी हुए बैठक में शामिल

ग्वालियर। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय प्रदेश का पहला व सबसे पुराना चिकित्सा महाविद्यालय है। ग्वालियर-चंबल संभाग सहित प्रदेश के अन्य जिलों एवं राजस्थान व उत्तरप्रदेश के समीपवर्ती जिलों के मरीज इस महाविद्यालय से जुड़े जेएएच अस्पताल समूह में बड़ी उम्मीद के साथ इलाज कराने के लिए आते हैं। इसलिए गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय को उत्कृष्ट चिकित्सा के लिहाज से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में स्थापित किया जाएगा।

इसके लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरण, अधोसंरचना, चिकित्सक व पैरा मेडीकल स्टॉफ की पूर्ति सरकार करेगी। उन्होंने कहा कि जेएएच अस्पताल समूह में आने के बाद हर प्रकार के मरीज को सभी प्रकार की उच्च स्तरीय विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं मिलनी चाहिए। यहां से किसी भी मरीज को कहीं ओर रेफर करने की नौबत न आए। श्री शुक्ल शनिवार को ग्वालियर में गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय की सामान्य परिषद की 10वीं बैठक में यहां की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर रहे थे।

बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जोर देकर कहा गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से जुड़े अस्पतालों में बाईपास व ओपन हॉर्ट सर्जरी, किडनी ट्रांसप्लांट, न्यूरोसर्जरी व यूरोलॉजी एवं केंसर के बड़े-बड़े ऑपरेशन शुरू करें। इसके लिए सभी जरूरी सुविधाएं सरकार उपलब्ध कराएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की सरकार के प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि

ग्वालियर मेडीकल कॉलेज सहित प्रदेश के इंदौर, भोपाल, जबलपुर व रीवा के मेडीकल कॉलेज अस्पतालों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। इस दिशा में तेजी से प्रभावी कदम उठाए गए हैं। शनिवार को यहां मेडीकल कॉलेज के सभागार में आयोजित हुई बैठक में सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह , राज्यसभा सांसद श्री अशोक सिंह , महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, विधायकगण श्री मोहन सिंह राठौर, डॉ. सतीश सिकरवार व श्री साहब सिंह गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री , परियोजना संचालक लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा एवं अध्यक्ष स्वाशासी समिति श्री नीरज सिंह , कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व मेडीकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. आर के एस धाकड़ सहित सामान्य परिषद के अन्य सदस्यगण एवं मेडीकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मेडीकल कॉलेज भवन, कमलाराजा अस्पताल, टी.बी अस्पताल, न्यूरोसर्जरी व न्यूरोलॉजी के भवनों का जीर्णोद्धार तथा एडमिन ब्लॉक, नवीन सभागार , चिकित्सकों व स्टाफ के लिए आवासीय परिसर, नर्सिंग कॉलेज व नर्सिंग हॉस्पिटल एवं सीनियर गर्ल्स हॉस्टल के नवीन भवनों के निर्माण के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इन कामों को जल्द से जल्द मंजूरी दिलाई जाएगी। श्री शुक्ल ने जे.ए.एच के पुराने भवन का जीर्णोद्धार कराने की बात भी कही। इससे पहले उन्होंने मेडीकल कॉलेज एवं जेएएच समूह की आवश्यकताओं व प्रस्तावित प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। कमलाराजा अस्पताल की क्षमता बढ़ाने का निर्णय भी बैठक में हुआ है।

श्री शुक्ल ने सभी प्रोजेक्ट की डीपीआर में पार्किंग का पर्याप्त प्रावधान करने के लिए भी कहा। सामान्य परिषद की बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जेएएच समूह की सीवर समस्या के समाधान के लिए प्रस्ताव तैयार करें। इस काम के लिए नगरीय विकास विभाग से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में मंत्री द्वय श्री कुशवाह व श्री तोमर, सांसद श्री कुशवाह व श्री अशोक सिंह विधायकगण श्री राठौर, श्री सिकरवार व श्री गुर्जर ने भी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए उपयोगी सुझाव दिए। मंत्री श्री कुशवाह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लक्ष्मीगंज में अल्ट्रा साउण्ड सेवा को सुचारू कराने के लिए कहा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कमलाराजा अस्पताल का विस्तार व यहाँ की पीडियाट्रिक यूनिट की क्षमता बढाने, ट्रॉमा सेंटर को बेहतर बनाने और जेएएच समूह के खाली पदों की पूर्ति करने का आग्रह किया।

विधायक श्री राठौर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भितरवार में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने का आग्रह इस अवसर पर किया। सामान्य परिषद की बैठक में मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित बजट प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इस वित्तीय वर्ष के लिए 2450 लाख रूपय का अनुमानित व्यय अनुमोदित हुआ है।

खाली पद भरने के लिए वॉक इन इंटरव्यू जारी रखें

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मेडीकल कॉलेज के डीन को निर्देश दिए कि मेडीकल कॉलेज में स्वीकृत प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापकों के खाली पद भरने के लिए लगातार वॉक इन इंटरव्यू कराएं। साथ ही सुपर स्पेशिलिटी सहित अन्य विभागों में जरूरत के मुताबिक पद स्वीकृत कराएं।

उन्होंने जानकारी दी कि प्रदेश भर में पदों की पूर्ति के लिए सरकार द्वारा चिकित्सकों के 3500 एवं पेरा मेडीकल स्टाफ के 10 हजार पदों की भर्ती की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जावद में करेंगे सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण

भोपाल,ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को नीमच जिले के जावद में महर्षि सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण करेंगे। सर्वसुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए वर्ष 2022-23 में सीएम राइज विद्यालय की स्थापना की है, जो अब महर्षि सांदीपनि विद्यालय के नाम से जाने जा रहे हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालयों में सर्व संसाधन युक्त अधोसंरचना विकसित की गई है। इन विद्यालयों में पूर्ण विकसित स्टीम प्रयोगशाला, वोकेशनल प्रयोगशाला, आईसीटी. प्रयोगशाला, केफेटेरिया, मल्टी परपस कोर्टस, एनसीसी., स्काउट कक्ष, डान्स कक्ष, म्यूजिक कक्ष, स्मार्ट अध्यापन कक्ष, सर्व सुविधायुक्त पुस्तकालय, इन्डोर जिम्नासियम, प्री प्रायमरी कक्षाओं के लिए विशेष प्रकार के कक्ष, फर्नीचर व समस्त प्रकार की खेलकुद की सामग्री आदि की सुविधा प्रदान की गई है। इस विद्यालय में 1 कि.मी. से 15 कि.मी. दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषयवार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, केरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किये गये है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954